नवसर्जन संस्कृति

RNI No. GJHIN/25/A2786
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 025
दि. 28.10.2025,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : JIGNESHKUMAR PETHABHAI VAGHELA Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

देशभर में मतदाता सूची के शुद्धीकरण की बड़ी मुहिम, निर्वाचन आयोग ने शुरु किया एसआईआर का दूसरा चरण, 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 7 फरवरी तक चलेगा विशेष अभियान

(जीएनएस)। नई दिल्ली। भारत के निर्वाचन आयोग ने देश में मतदाता सूची के शुद्धीकरण और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक और बड़ा कदम उठाया है। सोमवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दूसरे चरण की औपचारिक घोषणा करते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, गोवा, अंडमान-निकोबार, लक्षद्वीप और पुडुचेरी में मंगलवार से यह प्रक्रिया शुरू हो रही है, जो 7 फरवरी 2026 तक चलेगी। सीईसी ज्ञानेश कुमार ने कहा कि एसआईआर का उद्देश्य है कि देश का कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रहे, और कोई भी अपात्र व्यक्ति सूची में बना न रह जाए। उन्होंने कहा कि बिहार में पहले चरण के दौरान एसआईआर को लेकर जनता में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला था। वहां लगभग साढ़े सात करोड़ मतदाताओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया और इस पूरी प्रक्रिया के दौरान एक भी अपील दायर नहीं की गई। यह पारदर्शिता और निष्पक्षता का उदाहरण है, जिसे अब पूरे देश में लागू किया जा रहा है।

कुमार ने कहा कि इस अभियान के तहत 28 अक्टूबर से पहले सभी राज्यों में मतदाता सूची फ्रीज कर दी जाएगी। यानी अब 7 फरवरी 2026 तक मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने या संशोधन की प्रक्रिया एसआईआर के तहत ही की जाएगी। अगले साल विधानसभा चुनाव वाले राज्यों — पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी — में यह प्रक्रिया बेहद अहम मानी जा रही है। इन राज्यों में 1 नवंबर 2025 को अर्हता की तारीख तय की गई है, यानी जो नागरिक इस दिन या उससे पहले 18 वर्ष के हो जाएंगे, वे मतदाता सूची में शामिल किए जा सकते हैं।

निर्वाचन आयोग ने बताया कि प्रत्येक मतदाता को बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) द्वारा यूनिक गणना प्रपत्र प्रदान किया जाएगा, जिसमें मतदाता का नाम, पता और अन्य आवश्यक विवरण होंगे। मतदाता इन प्रपत्रों को 2003-04 की मतदाता सूची से मिलाकर देख सकेंगे। यदि उनका नाम या उनके माता-पिता का नाम उस सूची में था, तो उन्हें अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। इसके लिए आयोग ने voters.eci.gov.in पोर्टल पर पुरानी मतदाता सूचियों को सार्वजनिक कर दिया है।

एसआईआर के पहले चरण से मिले अनुभवों को ध्यान में रखते हुए आयोग ने यह तय किया है कि बीएलओ हर मतदाता के घर तीन बार जाकर विवरण की पुष्टि करेंगे। यदि कोई व्यक्ति अनुपस्थित होगा, तो उसे ऑनलाइन माध्यम से भी जानकारी देने का विकल्प मिलेगा। अगर किसी का नाम पुरानी सूची में नहीं था, तो संबंधित निर्वाचन रजिस्ट्रेशन अधिकारी (ईआरओ) दस्तावेजों की जांच के बाद पात्रता का निर्णय करेगा।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि इस बार आधार कार्ड को 12 मानक दस्तावेजों में शामिल किया गया है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार आधार को केवल पहचान के प्रमाण के रूप में ही स्वीकार

किया जाएगा, न कि नागरिकता, जन्मतिथि या निवास प्रमाण के रूप में। उन्होंने कहा कि आधार अधिनियम की धारा 9 के अनुसार यह दस्तावेज केवल पहचान का प्रमाण है और इसे ई-सिग्नेचर के लिए भी प्रयोग किया जा सकता है।

चुनाव आयोग ने यह भी बताया कि सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अब राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उन्हें एसआईआर की प्रक्रिया से अवगत कराएंगे। राजनीतिक दलों के बूथ-लेवल एजेंट अधिकतम 50 साइन किए हुए गणना प्रपत्र इकट्ठा कर सकते हैं और उन्हें बीएलओ को सौंप सकते हैं। आयोग ने यह भी निर्णय लिया है कि किसी भी मतदान केंद्र पर 1200 से अधिक मतदाता नहीं होंगे। अधिक घनी आबादी वाले क्षेत्रों, गेटेड कॉलोनियों और झुग्गी-झोपड़ी वाले इलाकों में नए मतदान केंद्र बनाए जाएंगे।

आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि फाइनल सूची जारी होने के बाद भी यदि किसी मतदाता को कोई आपत्ति हो, तो वह जिलाधिकारी के पास अपील कर सकता है, और असंतुष्ट होने पर राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पास 15 दिन के भीतर दूसरी अपील दायर की जा सकती है।

एसआईआर की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि "देश में समय के साथ बड़ी संख्या में लोग एक स्थान से दूसरे स्थान पर जा रहे हैं। कई मतदाता एक से अधिक जगहों पर दर्ज हैं, कई के नाम मृत्यु के बाद भी सूची से नहीं हटाए गए हैं और कुछ विदेशी नागरिक भी गलती से शामिल हो गए हैं। इन सब खामियों को दूर करने के लिए एसआईआर जरूरी है ताकि मतदाता सूची पूरी तरह से सटीक और पारदर्शी हो सके।"

हालांकि, आयोग ने स्पष्ट किया कि असम में फिलहाल एसआईआर नहीं कराया जाएगा। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि "असम में नागरिकता कानून से जुड़े मामलों को देखते हुए वहां अलग प्रक्रिया अपनाई जाएगी। सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में असम में नागरिकता की जांच लगभग पूरी हो चुकी है, इसलिए वहां के लिए एसआईआर का अलग आदेश जारी किया जाएगा।"

जब पश्चिम बंगाल में एसआईआर को लेकर संभावित राजनीतिक टकराव पर सवाल पूछा गया, तो मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि "कोई गतिरोध नहीं होगा। संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग को यह अधिकार है कि वह मतदाता सूची का शुद्धीकरण कर सके। राज्य सरकारें भी संवैधानिक रूप से बाध्य हैं कि वे आयोग को आवश्यक कर्मचारी उपलब्ध कराएं।"

आगामी महीनों में यह एसआईआर न केवल भारत की चुनावी व्यवस्था को और अधिक सटीक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित करेगा कि लोकतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव — चुनाव — सच्चे अर्थों में 'जन की भागीदारी' पर आधारित हो, जहां हर पात्र नागरिक की आवाज़ शामिल हो और हर मत की कद्र की जाए।

हरियाणा के गांव से सुप्रीम कोर्ट तक का सफर — देश के 53वें मुख्य न्यायाधीश बनेंगे जस्टिस सूर्यकांत

(जीएनएस)। दिल्ली। भारतीय न्यायपालिका को जल्द ही एक नया नेतृत्व मिलने जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठतम जज जस्टिस सूर्यकांत देश के 53वें मुख्य न्यायाधीश (CJI) बनने जा रहे हैं। मौजूदा चीफ जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई ने सोमवार को केंद्र सरकार को उनके नाम की औपचारिक सिफारिश भेज दी है। इसी के साथ सर्वोच्च न्यायालय के नए शीर्षस्थ न्यायाधीश की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू हो गई है। परंपरा के अनुसार, कानून मंत्रालय जब वर्तमान मुख्य न्यायाधीश से उनके उत्तराधिकारी का नाम सुझाने का अनुरोध करता है, तब यह सिफारिश की जाती है।

जस्टिस सूर्यकांत 24 नवंबर को भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेंगे। मौजूदा सीजेआई बीआर गवई का कार्यकाल 23 नवंबर को समाप्त हो रहा है। सूर्यकांत लगभग 14 महीने तक इस पद पर रहेंगे और 9 फरवरी 2027 को सेवानिवृत्त होंगे। सुप्रीम कोर्ट के जजों की

रिटायरमेंट की उम्र 65 वर्ष निर्धारित है।

जस्टिस सूर्यकांत भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में हरियाणा से इस सर्वोच्च पद तक पहुंचने वाले पहले व्यक्ति होंगे। उनके नाम की सिफारिश करते हुए सीजेआई गवई ने लिखा है कि वे "सुप्रीम कोर्ट की गरिमा को बनाए रखने और न्यायपालिका को मजबूत करने के लिए पूरी तरह सक्षम और उपयुक्त हैं।"

सूर्यकांत का जीवन एक प्रेरणादायक कहानी है। उनका जन्म हरियाणा के हिसार जिले के एक छोटे से गांव पेटवाड़ में हुआ था। उनके पिता एक साधारण शिक्षक थे। बचपन में वे अपने परिवार की मदद के लिए खेतों में काम करते थे। 8वीं तक की पढ़ाई उन्होंने गांव के उस स्कूल से की जहां बेंच तक नहीं थीं — बच्चे जमीन पर बैठकर पढ़ते थे। संसाधनों की कमी के बावजूद उन्होंने पढ़ाई को कभी बोझ नहीं बनने दिया। वे पहली बार अपने गांव से बाहर तब निकले जब उन्हें 10वीं की बोर्ड परीक्षा देने हिसार के पास स्थित छोटे से कस्बे हांसी जाना पड़ा। यही उनके जीवन का पहला ऐसा मोड़ था, जिसने उन्हें बड़े सपने देखने की दिशा दी। कॉलेज और फिर लॉ की पढ़ाई के दौरान उनकी प्रतिभा और लगन ने उन्हें तेजी से आगे बढ़ाया। वे युवा उम्र में ही पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष चुने गए। न्यायिक सेवा में उनका करियर 2004 में तब शुरू हुआ जब उन्हें पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट का जज नियुक्त किया गया। वर्ष 2018 में वे हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बने। उनके कार्यकाल के दौरान कई अहम फैसले आए जिन्हें मानवाधिकारों, शिक्षा सुधारों और प्रशासनिक पारदर्शिता के लिए ऐतिहासिक माना जाता है। 2019 में उन्हें सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश नियुक्त किया गया।

भारत के डर से बदले पाकिस्तान के हवाई मार्ग — कराची और लाहौर के एयरस्पेस में 24 घंटे का "ऑपरेशनल बदलाव" असल में सुरक्षा नहीं, भय का संकेत

(जीएनएस)। इस्लामाबाद/नई दिल्ली। पाकिस्तान ने सोमवार को अपने हवाई क्षेत्र में अचानक बड़ा बदलाव किया और कराची व लाहौर के एयर जोन में उड़ान मार्गों में संशोधन की घोषणा की। पाकिस्तान एयरपोर्ट्स अथॉरिटी (PAA) ने इस निर्णय को "हवाई सुरक्षा और प्रभावी प्रबंधन" का कदम बताया, लेकिन यह परिवर्तन केवल एक दिन — 28 अक्टूबर सुबह 5:01 बजे से 29 अक्टूबर सुबह 9:00 बजे (पाकिस्तान समय) तक — लागू रहेगा। इतने सीमित समय के लिए एयरस्पेस संशोधन को लेकर सामरिक हलकों में सवाल उठ रहे हैं कि क्या यह वाकई सुरक्षा प्रबंधन का मामला है या भारत के "Tri-Series" संयुक्त सैन्य अभ्यास के डर से उठाया गया कदम।

दरअसल, भारत इस सप्ताह "त्रिशूल ट्राई-सर्विसेज एक्सरसाइज" आयोजित कर रहा है, जिसमें थल, वायु और नौसेना की संयुक्त क्षमता का प्रदर्शन होगा। इस अभ्यास में सटीक मिसाइल प्रक्षेपण, हवाई नियंत्रण संचालन और नौसैनिक निगरानी अभ्यास शामिल हैं। पाकिस्तान को डर है कि इस कवायद के दौरान भारत कोई नया हथियार

परीक्षण या रणनीतिक संचालन कर सकता है। यही कारण है कि उसने "ऑपरेशनल री-अलाइनमेंट" के नाम पर अपने आकाशीय मार्ग बदल दिए हैं।

पाकिस्तान ने जो NOTAM (Notice to Airmen) जारी किया है, उसमें यह उल्लेख है कि "तकनीकी कारणों से कुछ मार्गों को अस्थायी रूप से बदला जा रहा है।" लेकिन भारतीय सामरिक विश्लेषक इसे मात्र तकनीकी नहीं बल्कि मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया मान रहे हैं। उनका कहना है कि भारत के बढ़ते सैन्य आत्मविश्वास और क्षेत्रीय प्रभाव ने पाकिस्तान को आंतरिक रूप से अस्थिर कर दिया है।

पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान बार-बार इसी तरह के फैसले लेता रहा है। 2019 की बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद उसने भारत के लिए अपने हवाई क्षेत्र को चार महीने तक बंद रखा था, जिससे उसकी खुद की एयरलाइंस को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ था। इसी तरह मई 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के बाद हुए तनाव के दौरान भी पाकिस्तान ने कई बार भारतीय विमानों के मार्ग अवरुद्ध किए थे।

अब फिर वही इतिहास दोहराया जा रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि पाकिस्तान का यह कदम दरअसल उसकी "सुरक्षा असुरक्षा" का खुला इज़हार है। भारत की सैन्य शक्ति, परमाणु ट्रायड, प्रिसिजन स्ट्राइक कैपेबिलिटी और साइबर वारफेयर में तेजी से बढ़ती क्षमता ने उसकी पारंपरिक "समान शक्ति संतुलन" की नीति को पूरी तरह तोड़ दिया है। भारत अब केवल सैन्य रूप से नहीं, बल्कि कूटनीतिक और मानसिक स्तर पर भी क्षेत्र की सबसे प्रभावशाली शक्ति बन चुका है।

पाकिस्तान की चिंता केवल भारत की मिसाइलों या अभ्यासों से नहीं है, बल्कि उसकी कूटनीतिक स्थिति से भी है। अमेरिका, सऊदी अरब और यहां तक कि चीन भी अब भारत के साथ संतुलित संबंध नीति अपनाने लगे हैं। भारत के साथ बढ़ते निवेश, रक्षा सहयोग और तकनीकी साझेदारी ने पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अकेला कर दिया है। इसीलिए इस्लामाबाद की हर रणनीतिक प्रतिक्रिया अब "पूर्व-सावधानी" नहीं बल्कि "पूर्व-भय" का रूप ले चुकी है।

बंगाल में प्रशासनिक हलचल, 200 से ज्यादा अफसरों का तबादला — चुनावी तैयारियों से पहले सरकार का बड़ा कदम

(जीएनएस)। कोलकाता। पश्चिम बंगाल की नौकरशाही में सोमवार को भूचाल आ गया जब राज्य सरकार ने एक झटके में 200 से अधिक अधिकारियों के तबादले का आदेश जारी किया। इस बड़े प्रशासनिक फेरबदल में 61 आईएएस और 145 डब्ल्यूबीसीएस अधिकारियों को इधर-उधर किया गया है। आदेश उस समय आया जब कुछ ही घंटों में चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की तारीखें घोषित होने वाली थीं। इसलिए इसे चुनावी तैयारी से जोड़कर देखा जा रहा है।

राज्य के कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग ने देर शाम जारी अधिसूचना में कहा कि जिन अधिकारियों का तबादला किया गया है, उनमें 10 जिलों के जिलाधिकारी, कई विशेष सचिव, अतिरिक्त जिलाधिकारी (एडीएम), उप मंडलाधिकारी (एसडीओ), ऑफिसर्स ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी) समेत प्रशासनिक ढांचे के कई अहम पद शामिल हैं। यह फेरबदल राज्य प्रशासन में पिछले कई वर्षों में सबसे बड़ा माना जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, जिन जिलों में डीएम बदले गए हैं उनमें उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, कूचबिहार, मुर्शिदाबाद, पुरुलिया, दार्जिलिंग, मालदा, बीरभूम, झारग्राम और पूर्व मेदिनीपुर शामिल हैं। इन जिलों को राजनीतिक दृष्टि से संवेदनशील माना जाता है, क्योंकि यहां आगामी लोकसभा चुनावों के लिए मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण रहने वाला है।

इसके साथ ही, सरकार ने कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के आयुक्त, हाउसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एचआईडीसीओ) के प्रबंध निदेशक और हल्दिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचडीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को भी बदल दिया है। सूत्रों का कहना है कि इन पदों पर नई नियुक्तियों के पीछे प्रशासनिक दक्षता और क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखा गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) कार्यक्रम की घोषणा के बाद इतने बड़े पैमाने पर अधिकारियों का फेरबदल करना मुश्किल होता, इसलिए सरकार ने यह कदम पहले ही उठा लिया। उनका कहना था कि सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि मतदाता सूची के अद्यतन और चुनावी तैयारी की प्रक्रिया में किसी प्रकार की ढिलाई या देरी न हो।

राज्य प्रशासनिक हलकों में इस फैसले ने हलचल मचा दी है। माना जा रहा है कि कई वरिष्ठ अधिकारी जिनकी कार्यशैली पर सरकार असंतुष्ट थी, उन्हें गैर-जरूरी विभागों में भेज दिया गया है, जबकि कुछ नए चेहरे कोर प्रशासनिक जिम्मेदारियों में लाए गए हैं। विपक्षी दलों ने इस बड़े पैमाने पर हुए फेरबदल पर सवाल उठाए हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि चुनाव से ठीक पहले जिलाधिकारियों और प्रमुख अफसरों को बदलना "राजनीतिक मंशा" को दर्शाता है। हालांकि, राज्य सरकार का कहना है कि यह कदम पूरी तरह प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा है और इसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है।

फिलहाल, राज्य के सभी जिलों में नए डीएम और एडीएम को कार्यभार संभालने का निर्देश दे दिया गया है। उम्मीद है कि चुनाव आयोग की मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान ये अधिकारी फील्ड में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस फेरबदल के साथ ही बंगाल में प्रशासनिक ढांचे में नई ऊर्जा और सख्त अनुशासन लाने की कोशिश साफ झलक रही है।

श्रीलंकाई नौसेना ने डूबते जहाज से नौ भारतीयों को बचाया, समुद्र में चला तीन घंटे लंबा रेस्क्यू अभियान

(जीएनएस)। कोलंबो। हिंद महासागर में सोमवार को एक बड़ा समुद्री हादसा टल गया जब श्रीलंकाई नौसेना ने सूझबूझ और तत्परता दिखाते हुए एक संकटग्रस्त वाणिज्यिक पोत 'इंटीग्रिटी स्टार' से 14 लोगों को सकुशल निकाल लिया। इन बचाए गए लोगों में नौ भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, यह पोत श्रीलंका के दक्षिण में लगभग 100 समुद्री मील दूर इंजन

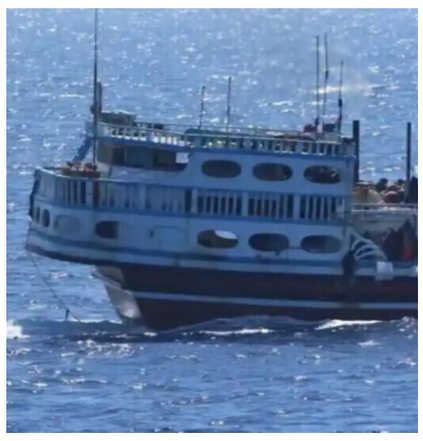

फेल होने के बाद नियंत्रण खो बैठा था।IV नौसेना के प्रवक्ता कमांडर बुद्धिका संपत ने बताया कि पोत के चालक दल ने इंजन में आई गंभीर खराबी के बाद सहायता संदेश भेजा था। यह संदेश श्रीलंका के रक्षा मंत्रालय के पास पहुंचा, जिसके निर्देश पर तुरंत समुद्री बचाव समन्वय केंद्र ने 'समुद्रा' नामक नौसैनिक पोत को मौके पर रवाना किया। करीब तीन घंटे चले खोज और बचाव अभियान के बाद सभी 14 सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

जानकारी के अनुसार, समुद्र में लगातार बढ़ती लहरें और इंजन की विफलता के कारण इंटीग्रिटी स्टार गहरे संकट में फंस गया था। चालक दल के पास सीमित समय और साधन बचे थे। श्रीलंका की नौसेना के पहुंचने से पहले ही पास से गुजर रहे एक अन्य वाणिज्यिक पोत 'मॉर्निंग ग्लोरी' ने भी सहायता प्रदान की और रेस्क्यू मिशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सभी चालक दल के सदस्य, जिनमें नौ भारतीय, दो फिलीपीन और तीन श्रीलंकाई नागरिक शामिल हैं, को दक्षिणी श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह लाया गया। वहां उनका प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और सभी को सुरक्षित घोषित किया गया।

यह घटना ऐसे समय में हुई है जब क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा को लेकर भारत और श्रीलंका के बीच सहयोग लगातार बढ़ रहा है। दोनों देशों की नौसेनाओं ने हाल ही में कई संयुक्त अभ्यास किए हैं ताकि समुद्री आपदाओं और संकटों के दौरान तेजी से कार्रवाई की जा सके।

रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह रेस्क्यू मिशन हिंद महासागर में सक्रिय समुद्री समन्वय तंत्र की सफलता का उदाहरण है। अगर नौसेना समय पर प्रतिक्रिया नहीं देती, तो यह हादसा गंभीर रूप ले सकता था। फिलहाल 'इंटीग्रिटी स्टार' को मरम्मत के लिए हंबनटोटा के डॉक यार्ड में खड़ा किया गया है, जहां तकनीकी दल इंजन की खराबी की जांच कर रहा है।

श्रीलंका के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि यह अभियान न केवल नौसेना की तत्परता का प्रमाण है बल्कि समुद्री मानवता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है।

संपादकीय

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटरों से छेड़छाड़ दुखद

देश में स्वच्छता के तमाम मानक सिद्ध करने वाले इंदौर में दो आस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटरों का पीछा किए जाने और छेड़छाड़ की घटना देश को शर्मसार करने वाली है। ऐसे वक्त में जब देश वर्ष 2030 में राष्ट्रमंडल और 2036 में ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने का दावा कर रहा है, इस तरह की घटनाएं भारत की छवि को धूमिल करने वाली हैं। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्वकप में हिस्सा लेने आई ये खिलाड़ी गुरुवार की सुबह अपने होटल से बाहर निकलीं और एक कैफे की ओर जा रही थीं। इस बीच एक मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति ने उनका पीछा करना शुरू किया। उसने इन खिलाड़ियों में से एक को गलत तरीके से छुआ और फिर घटनास्थल से भाग खड़ा हुआ। विडंबना देखिए कि पुलिस को अभियुक्त को पकड़ने में डेढ़ दिन का समय लगा। बताया जाता है कि उसका आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई ने इस निंदनीय कृत्य पर प्रतिक्रिया देने में समय लगाया। वहीं दूसरी ओर राज्य क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों ने संकेत दिया कि दोनों खिलाड़ियों ने संभवतः सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया है। वहीं दूसरी ओर आस्ट्रेलियाई टीम ने सिरे से इसका खंडन किया है। निस्संदेह, यह चूक और ज्यादा गंभीर है क्योंकि इंदौर को मेहमान टीमों के लिये एक सुरक्षित शहर माना जाता है। जाहिर है कि खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं थी। निस्संदेह, यह परेशान करने वाला मामला देश में अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों के आयोजकों के लिये एक चेतावनी जरूर है।

यह भारत की छवि के लिये दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि देश में विदेशियों, खासकर पर्यटकों को यौन उत्पीड़न का आसान निशाना माना जाता है। इस साल, राजस्थान में एक फ्रांसीसी पर्यटक के साथ दुराचार हुआ, वहीं दूसरी ओर कर्नाटक में एक इस्राइली पर्यटक का यौन उत्पीड़न किया गया। विदेशी खिलाड़ियों की सीमित आवाजाही से उनके यौन अपराधों का शिकार होने की आशंका कम होनी चाहिए। लेकिन इंदौर की शर्मनाक घटना बताती है कि सुरक्षा में जरा सी चूक का फायदा अपराधी उठा सकते हैं। अगले महीने होने वाली राष्ट्रमंडल खेल महासभा, अहमदाबाद में 2030 के खेलों की मेजबानी के लिये अपनी मुहर लगाने वाली है। इतने बड़े आयोजन का सुरक्षित ढंग से निष्पादित किया जाना, कई चुनौतियों की ओर भी इशारा करता है। ऐसे में दुनिया भर से आने वाली महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। निस्संदेह, इंदौर जैसी घटनाओं से भारत की वैश्विक छवि दांव पर लगती है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि वसुधैव कुटुम्बकम् का उद्घोष सिर्फ नारा नहीं रहना चाहिए। हम सब को मिलकर उसे व्यवहार में लाना चाहिए और इसके मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। समाज विज्ञानियों को इस बात पर मंथन करना चाहिए कि हमारे समाज में यौन अपराधों का ग्राफ इतनी तेजी से क्यों बढ़ रहा है। समाज में नैतिक मूल्यों को सशक्त बनाने का प्रयास शिक्षा व अन्य माध्यमों से करना चाहिए। फिलहाल जो हालात हैं, वे हमारी वैश्विक छवि को धूमिल ही करते हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर ट्रम्प प्रशासन के 50% टैरिफ का कोई असर नहीं

> "ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के पश्चात भी भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार आगे बढ़ रही है जबकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर लगातार संकट के बादल मंडराते हुए दिखाई दे रहे हैं।

अमेरिका के ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 50 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया गया है। ट्रम्प ने वैसे तो लगभग सभी देशों से अमेरिका को होने विभिन्न उत्पादों पर अलग अलग दर से टैरिफ लगाया है परंतु भारत द्वारा विशेष रूप से रूस से सस्ते दामों पर कच्चे तेल की खरीद के चलते भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ भी लगाया हुआ है। विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले उत्पादों के निर्यात पर टैरिफ को लगाए हुए अब कुछ समय व्यतीत हो चुका है एवं अब इसका असर विभिन्न देशों की अर्थवस्थाओं एवं अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। यह हर्ष का विषय है कि 27 अगस्त 2025 से लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर लगभग नगण्य सा ही रहा है। माह सितम्बर 2025 में भारत से अमेरिका को विभिन्न उत्पादों का निर्यात लगभग 12 प्रतिशत कम होकर केवल 550 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर नीचे आ गया है। परंतु, भारत का अन्य देशों को निर्यात लगभग 11 प्रतिशत से बढ़कर 3,638 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में किए गए निर्यात से लगभग 7 प्रतिशत अधिक है। सितम्बर 2025 माह में भारत से 24 देशों को निर्यात की मात्रा बढ़ गई है। इस प्रकार, भारत द्वारा अमेरिका को कम हो रहे निर्यात की भरपाई अन्य देशों को निर्यात बढ़ाकर कर ली गई है।सितम्बर 2025 माह में न केवल निर्यात में पर्याप्त वृद्धि दर्ज की गई है अपितु भारत में अक्टूबर 2025 माह में प्रारम्भ हुए त्यौहारी मौसम, धनतेरस एवं दीपावली उत्सव के पावन पर्व पर, 6,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के विभिन्न उत्पादों एवं सेवाओं की बिक्री

भारत में हुई है, जो अपने आप में एक रिकार्ड है। हर्ष का विषय यह है कि इस कुल बिक्री में 87 प्रतिशत उत्पाद भारत में ही निर्मित उत्पाद रहे हैं। भारत में स्वदेशी उत्पादों की बिक्री का रिकार्ड कायम हुआ है। भारत में स्वदेशी उत्पादों को अपनाने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले 100 वर्षों से लगातार प्रयास कर रहा है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी भारतीय नागरिकों का स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का हाल ही में आह्वान किया था। इस आग्रह का अब भारी संख्या में भारतीय नागरिक सकारात्मक उत्तर दे रहे हैं। भारत में लगातार बढ़ रहे उपभोक्ता खर्च के चलते वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण में भी लगातार वृद्धि दृष्टिगोचर है, जो अब लगभग 2 लाख करोड़ प्रति माह के स्तर पर पहुंच गया है।

भारतीय पूंजी बाजार भी सकारात्मक परिणाम देता हुआ दिखाई दे रहा है। सितम्बर 2025 के अंत में सेन्सेक्स 80,267 के स्तर पर था जो 21 अक्टोबर 2025 को बढ़कर 84,426 के स्तर पर पहुंच गया। इसी प्रकार निफ्टी इंडेक्स भी सितम्बर 2025 के अंत में 24,611 के स्तर से बढ़कर 21 अक्टूबर 2025 को 25,868 के स्तर पर पहुंच गया। दीपावली के पावन पर्व पर रिकार्ड तोड़ व्यापार होने एवं पूंजी बाजार के अपने पिछले 52 सप्ताह के लगभग उच्चत्तम स्तर पर पहुंचने के पीछे मुख्य रूप से तीन कारक जिम्मेदार माने जा रहे हैं। (1) भारतीय उपभोक्ताओं में भारतीय उत्पादों के प्रति विश्वास निर्मित हुआ है और वे अब भारत में निर्मित उत्पादों को चीन अथवा अन्य विकसित देशों में निर्मित उत्पादों की तुलना में गुणवत्ता के मामले में बेहतर मानने लगे हैं। (2) विभिन्न भारतीय कम्पनियों द्वारा हाल ही में सितम्बर 2025 को समाप्त तिमाही के घोषित परिणाम काफी उत्साहजनक रहे हैं। (3) साथ ही, अक्टूबर 2025 माह में विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय पूंजी बाजार में वपिसी हुई है। वर्ष 2025 में सितम्बर 2025 माह तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय पूंजी बाजार से लगभग 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि की निकासी की थी, जबकि अक्टूबर 2025 माह में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा अभी तक लगभग 7,300 करोड़ रुपए का नया निवेश किया गया है।

ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के पश्चात भी भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार आगे बढ़ रही है जबकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर लगातार संकट के बादल मंडराते हुए दिखाई दे रहे हैं। भारत में मुद्रा स्फीति की दर लगातार नीचे आ रही है एवं यह सितम्बर 2025 माह में 1.54 प्रतिशत तक नीचे आ चुकी है जो पिछले 8 वर्षों के दौरान अपने सबसे निचले स्तर पर है। जबकि ट्रम्प प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर लगाए गए टैरिफ के चलते अमेरिका में मुद्रा स्फीति की दर अब बढ़ती हुई दिखाई दे रही है और अगस्त 2025 माह में यह 2.9 प्रतिशत के स्तर पर रही है।

ट्रम्प प्रशासन द्वारा अपने वित्तीय घाटे को नियंत्रण में लाने एवं सरकारी ऋण को कम करने के उद्देश्य से विभिन्न देशों से अमेरिका को होने निर्यात पर टैरिफ की घोषणा की थी। परंतु, भारी मात्रा में टैरिफ बढ़ाने के बावजूद अमेरिका का वित्तीय घाटा कम होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। आज अमेरिका में वित्तीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 5.9 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गया है जबकि भारत में यह प्रतिवर्ष लगातार कम हो रहा है और इसके वित्तीय वर्ष 2025-26 में सकल घरेलू उत्पाद के 4.4 प्रतिशत के स्तर पर नीचे पहुंच जाने की सम्भावना है, यह वित्तीय वर्ष 2024-25 में 4.8 प्रतिशत का रहा था। इसी प्रकार, अमेरिका में सरकारी ऋण 37 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है, जो लगातार बढ़ता जा रहा है और यह अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद का 120 प्रतिशत है। अर्थात, अमेरिका में आय की तुलना में अधिक मात्रा में व्यय किए जा रहे है। आज अमेरिका में सरकारी ऋण पर ब्याज अदा करने के लिए भी ऋण लिया जा रहा है। दूसरी ओर, भारत में सरकारी ऋण की मात्रा केवल 3.80 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर है और यह भारत के सकल घरेलू उत्पाद का मात्र 80 प्रतिशत है, जो लगातार कम हो रहा है। अमेरिका में सकल बचत की दर 22 प्रतिशत है जबकि भारत में यह 32 प्रतिशत है।

भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वित्तीय वर्ष 2024-25 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर रही है जबकि अमेरिका में यह वर्ष 2024 में केवल 2.8 प्रतिशत की रही है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के बावजूद वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि दर विश्व बैंक द्वारा अनुमानित है। जबकि अमेरिका द्वारा विभिन्न देशों के अमेरिका को निर्यात टैरिफ लगाए जाने के बावजूद अमेरिका में वर्ष 2025 में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के नीचे गिरकर 1.6 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। स्पष्टतः अमेरिका द्वारा टैरिफ लागू करने का भारतीय अर्थव्यवस्था पर तो कोई विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है बल्कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर ही विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। साथ ही, अमेरिका में बेरोजगारी की दर में भी वृद्धि दृष्टिगोचर है जो अब बढ़कर 4.3 प्रतिशत के स्तर पर आ गई है, जबकि भारत में यह दर गिरकर 5.1 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गई है।

अमेरिका में बैंकों से लिए गए ऋण एवं क्रेडिट कार्ड पर ली गई उधारी की किश्तों के भुगतान में चूक की संख्या में वृद्धि दृष्टिगोचर है। इसके चलते हाल ही 3 वित्तीय संस्थानों को दिवालिया घोषित किया जा चुका है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्वर्ण की कीमत में अपार वृद्धि (लगभग 4300 अमेरिकी डॉलर प्रति आउन्स के स्तर पर) दर्शाता है कि विभिन्न देशों का अब अमेरिकी डॉलर पर विश्वास कम हो रहा है और विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक अपने विदेशी मुद्रा के भंडार में स्वर्ण की मात्रा को लगातार बढ़ा रहे हैं।

प्रेरणा

विद्वता का गर्व नहीं, विनम्रता का गौरव — संत नोके की कथा

फ्रांस का इतिहास जब अपने वैभव और विलास के चरम पर था, उसी समय वहां एक ऐसे संत का उदय हुआ, जिनकी विद्वता, तपस्या और विनम्रता ने पूरे देश को प्रभावित किया। उनका नाम था नोके। वे एक मठ में रहते थे, संसार के झंझटों और प्रसिद्धि से दूर, केवल ईश्वर की उपासना और आत्मशुद्धि में रत रहते थे। वे न तो किसी प्रकार की मान-प्रतिष्ठा के भूखे थे, न ही राजदरबारों की चकाचौंध उन्हें लुभा पाती थी। फ्रांस के राजा चार्ल्स तक उनके ज्ञान और साधुता की चर्चा पहुंच चुकी थी। राजा स्वयं अत्यंत शिक्षित, विवेकशील और धर्मनिष्ठ थे, किंतु संत नोके के प्रति उनकी श्रद्धा विशेष थी। उन्होंने कई बार अपने दूतों के माध्यम से उन्हें आमंत्रित किया कि वे दरबार में आएं, देश और समाज के कल्याण के विषय में अपनी सलाह दें, परंतु संत ने हर बार विनम्रतापूर्वक इनकार कर दिया। वे कहते — "राजसी वैभव में नहीं, बल्कि आत्मसंयम में ही सच्चा सुख है।"

राजा का हृदय उन शब्दों से और अधिक प्रभावित होता गया। अंततः एक दिन उन्होंने स्वयं निश्चय किया कि वे संत से मिलने उनके मठ पहुंचेंगे। राजसी रथ, सैनिकों और मंत्रियों के साथ राजा चार्ल्स जब उस मठ में पहुंचे तो संत नोके ने बड़ी सहजता और सादगी से उनका स्वागत किया। उनके वस्त्र सामान्य थे, कक्ष में कोई विलासिता नहीं थी, परंतु वातावरण में ऐसी शांति थी कि राजा को लगा मानो वे किसी उच्च लोक में आ गए हों।

राजा और संत के बीच लंबे समय तक वार्तालाप हुआ। धर्म, नीति, समाज, मानवता और राज्य की व्यवस्था पर जब चर्चा चली तो राजा ने कुछ राजनीतिक समस्याओं पर भी उनकी राय ली। संत नोके ने अद्भुत विवेक के साथ उत्तर दिए — न किसी की निंदा, न किसी की प्रशंसा — केवल सत्य और न्याय की भावना से युक्त। राजा अत्यंत प्रभावित हुए और उन्होंने कहा, "संतवर, आपके विचार मेरे राज्य के लिए अमूल्य हैं।" परंतु राजा के दरबारियों में यह सब देख कर असंतोष फैल गया। उन्हें यह अच्छा नहीं लगा कि एक साधु, जो किसी राजकीय पद पर नहीं, राजा के इतने निकट हो जाए। राजा का मुख्य सलाहकार तो भीतर ही भीतर ईर्ष्या और क्रोध से जल उठा। वह मन ही मन कहने लगा, "क्या अब राज्य का संचालन संतों के शब्दों से होगा? यह साधु अपने ज्ञान का प्रदर्शन कर राजा को प्रभावित कर रहा है।" अगले दिन वह क्रोध में भरा हुआ चर्च में पहुंचा, जहां संत नोके, राजा और नगर के अन्य संभ्रांत नागरिक प्रार्थना कर रहे थे। वह सबके सामने गया और ऊँचे स्वर में बोला — "संत नोके! तुम्हें तो महान विद्वान और ईश्वर का प्रिय बताया जाता है। तो बताओ, यदि तुम सचमुच ईश्वर के निकट हो, तो क्या बता सकते हो कि इस समय ईश्वर क्या कर रहे हैं?"

संत नोके ने कोई क्षणभर भी विलंब नहीं किया। उन्होंने शांत मुस्कान के साथ उस सलाहकार की ओर देखा। उनकी आंखों में न तिरस्कार था, न क्रोध। वे बोले — "पुत्र, ईश्वर इस समय वही कर रहे हैं जो वे सदा से करते आए हैं — जो दीन हैं, उन्हें ऊपर उठा रहे हैं, और जो अहंकारी हैं, उन्हें नीचे गिरा रहे हैं।"

यह वचन जैसे किसी तेज प्रकाश की तरह उस सलाहकार के अंतःकरण को भेद गए। उसे अचानक लगा मानो उसकी सारी घमंड की दीवारें ढह गई हों। उसका चेहरा लाल हो गया, हाथ कांपने लगे। वह संत के चरणों में गिर पड़ा और बोला, "क्षमा करें प्रभु, मैं अंधा था, आपके ज्ञान का अपमान कर बैठा।"

राजा चार्ल्स ने यह दृश्य देखा तो उनके नेत्रों में श्रद्धा के आँसू आ गए। उन्होंने संत नोके के चरणों में झुककर कहा, "संतवर, आज आपने मुझे समझाया कि सच्चा ज्ञान वही है जो विनम्रता में झुक सके। जिस विद्या से अहंकार उत्पन्न हो, वह विद्या नहीं, वह केवल भ्रम है।"

उस दिन से फ्रांस के दरबार में एक कहावत प्रचलित हो गई — "जहां विद्वता विनम्रता में झुके, वहीं ईश्वर वास करते हैं।" संत नोके की यह कथा युगों तक स्मरण कराई जाती रही कि ज्ञान का गर्व व्यक्ति को गिरा देता है, लेकिन विनम्रता उसे देवत्व की ऊंचाइयों तक पहुंचा देती है।

मिले सुर मेरा तुम्हारा... पर क्या सच में मिल रहा

बीते शुक्रवार पीयूष पांडे का निधन हो गया, उसी हफ़्ते जब फ्रांसेस्का ओरसिनी को भारत में प्रवेश से वर्जित कर दिया गया। विज्ञापन जगत के इस गुरु, जिन्होंने 1988 में दूरदर्शन के लिए 5.36 मिनट के 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' गीत के बोल लिखे थे, अगर उन्हें पता चलता कि स्कूल ऑफ़ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज़ की इस प्रसिद्ध हिंदी-उर्दू विदुषी को मार्च माह में वीज़ा शर्तों का उल्लंघन करने की वजह से गत सप्ताह लंदन वापस भेज दिया गया, तो उन्हें दुःख होता। हालांकि यह ठीक है, उस समय ओरसिनी पर्यटक वीज़ा पर थीं, फिर भी शोधकार्य कर रही थीं - स्पष्टतः गृह मंत्रालय ने 40 सालों से भारत में काम कर रही इस प्रसिद्ध बहुभाषी इतिहासकार को स्वीकार नहीं किया। शायद, उनके सुर नहीं मिले।

पीयूष पांडे को उनके फेविकोल एड कैंपेन के लिए भी याद किया जाएगा, जिसने विविधतापूर्ण ऐसे राष्ट्र के बारे में एक अहम संदेश दिया, जो कुछ भी हो, अच्छे-बुरे, हर समय में एकजुट रहकर सफलता अर्जित करता है।

यहां मुख्य बात है, 'एकजुटता कायम रहना'। भारत 78 साल का हो गया और यह एकजुटता कमोबेश बनी रही - कभी ज़्यादा, कभी कम। आपके वैचारिक रुझान के आधार पर, हम इस पर बहस कर सकते हैं कि चीजें किस हद तक बिखर रही हैं या नहीं। जो इस विचारधारा के हैं कि चीज़ें बिखर नहीं रहीं वे मिसाल देंगे कि पंजाब में कार्यरत करीब 10 लाख बिहारी प्रवासी मज़दूर, जिनको तीन दिवसीय छठ पूजा उत्सव मनाने के लिए घर ले जाने वाली ट्रेनों का आवागमन सुव्यवस्थित करने में भाजपा कृत संकल्प है–एक कहावत प्रयोग करें तो, भाजपा यह सुनिश्चित करने में कसर नहीं छोड़ रही कि यह प्रक्रिया सुचारू रहे। यह एक चतुर चाल है। बेशक, इसका मकसद दोनों राज्यों में भाजपा की राह आसान करना है - बिहार में चुनाव नजदीक हैं, छठ के तुरंत बाद, और पार्टी को आस है कि घर वापसी की सुखद रेल यात्रा बिहारी मजदूरों को तय करने में मदद करेगी कि उन्हें किस तरफ वोट करना है।

जिन्हें लगता है कि चीज़ें बिखर रही हैं, वे उदाहरण देंगे भारत से फ्रांसेस्का ओरसिनी के निष्कासन का– पहेली यह कि ऐसा क्यों किया गया, क्योंकि 'वीज़ा शर्त उल्लंघन' के अलावा कोई असल कारण नहीं बताया। पंजाब विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर शैली वालिया ने 'द ट्रिब्यून' में पिछले कल अपने लेख में शैक्षणिक स्वतंत्रता कायम रखने की दलील दी है, लेकिन उल्लेखनीय है कि कुछ बुद्धिजीवियों - रामचंद्र गुहा, मुकुल केसवन आदि - के अलावा देश में लेक्चरर्स, शिक्षकों या प्रोफेसरों का कोई समूह भारत से ओरसिनी के निष्कासन का विरोध करने को खड़ा नहीं हुआ।

शायद बढ़ती खामोशी ही समस्या की जड़ है। कम लोग ही अपनी बात रख रहे हैं। चूंकि लोकतंत्र मतभेद व असहमतियां जीवित रखने को विपक्षी दलों पर निर्भर रहते हैं—सिवाय इसके कि आजकल विपक्षी दल या तो सिमटे पड़े हैं या फिर अप्रासंगिक हो रहे हैं- बहस करने वाले भारतीय दुर्लभ और पस्त हैं। शायद सबसे बड़ा असर भारत की विदेश नीति और खासकर भारत की अमेरिका को लेकर नीति पर होने वाली बहस पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप ने अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा के नाम का गलत उच्चारण कर इसे आसान नहीं बनाया। जो व्हाइट हाउस में अपने डेस्क पर बैठ 'हैप्पी दिवाली' का संदेश लिख रहे ट्रंप के दाईं ओर खड़े दिखे। वह संदेश जिसका मंतव्य भारत के लिए बधाई का क्षण होना था – आखिर कितने राष्ट्राध्यक्षों ने आपके त्योहार को अपना मानकर अपनाया है?– पर यह मौका बड़ा हास्यास्पद क्षण बनकर रह गया।

तो क्या यह पूछने का सही समय है कि क्या मोदी सरकार की अमेरिका नीति ने भारत को असफल बना दिया? निश्चित रूप से, ट्रंप उन नेताओं में नहीं जिनके साथ दोस्ती आसान हो– वे एक आत्मकेंद्रित और अहंकारी व्यक्ति हैं। लेकिन यह भी असलियत है कि भारत ने इससे कहीं ज़्यादा विकट संकटों का सामना किया और वजूद बनाए रखा। ऐसे दो उदाहरण हैं - पहला, 1998 के परमाणु परीक्षणों उपरांत प्रतिबंध काल, जब बिल क्लिंटन और उनकी सरकार ने पूरी तरह भारत पर दबाव बना रखा था; तथापि, अमेरिका में भारत के तत्कालीन राजदूत नरेश चंद्रा ने धैर्य रखा व झुकने से इनकार कर दिया। दो साल बाद क्लिंटन भारत आए व पांच दिन खुशी-खुशी बिताए।

दूसरा उदाहरण है जब जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने भारतीय राजदूत रोनेन सेन की थोड़ी मदद से, अपनी रणनीतिक टीम के प्रभाव से बाहर निकल,भारत के साथ परमाणु समझौता किया था। सेन ने इस काम में खासकर अमेरिकी व्यवसायियों को लगाया था- जिनमें कई भारतीय मूल के थे।

तब फिर इस साल की शुरुआत में ट्रंप की व्हाइट हाउस में वापसी होने और टेक्सास के एक स्टेडियम में 'अब की बार... ट्रंप सरकार' के नारे की गूंज के बीच प्रधानमंत्री मोदी के साथ की परिक्रमा की यादें पूरी तरह भुला देने के बाद से हालात क्यों बिगड़ते गए? यह सवाल कई बार पूछा गया- पहले तब जब ज़ंजीरों में जकड़े भारतीयों को, जिनमें अधिकांश पंजाबी मूल के थे, हवाई जहाजों में भरकर भारत वापस भेजा गया- इससे पूर्व ट्रंप सत्ता में आने पर ' बाहरी अवांछित लोगों' को वापस भेजने की हुंकार भर रहे थे और इसका पहला निशाना भारतीयों को बनाया। गत सप्ताह उन्होंने रूस से आयात किए जाने वाले सस्ते तेल की मात्रा कम करने के लिए विवश करके भारत को एक और शर्मिंदगी झेलने को मजबूर किया –यह तेल आपूर्ति शुरू होने के तीन साल बाद, मामले पर काफी पैरवी करने के बाद, आखिरकार मोदी सरकार को झुकना पड़ा।

अभियान

कपाल मोचन — ब्रह्म हत्या दोष से मुक्ति देने वाला परम पवित्र तीर्थ

हरियाणा राज्य के यमुनानगर जिले में बिलासपुर कस्बे के पास स्थित कपाल मोचन केवल एक तीर्थस्थल नहीं, बल्कि वह दिव्य भूमि है जहां देवताओं तक ने अपने पापों से मुक्ति पाई। यह स्थान न केवल हिंदू श्रद्धालुओं के लिए पवित्र माना जाता है, बल्कि सिख समुदाय के लिए भी अत्यंत पूजनीय है। इतिहास, पुराण और आस्था—तीनों ही इस भूमि को दिव्यता का प्रतीक मानते हैं। इस पवित्र तीर्थ को गोपाल मोचन और सोमसर मोचन के नाम से भी जाना जाता है।

कपाल मोचन को प्राचीन काल में औशनस तीर्थ कहा गया है। स्कन्द महापुराण के अनुसार, यही वह स्थान है जहां असुर गुरु शुक्राचार्य, जिनका एक अन्य नाम उशनस था, ने घोर तप किया था। इसी कारण यह तीर्थ औशनस नाम से प्रसिद्ध हुआ। यह स्थान द्वैतवन नामक वन क्षेत्र में स्थित था, जो पवित्र सरस्वती और यमुना नदियों के मध्य भाग में फैला था। द्वैतवन में बद्री और सिंधु नामक दो उपवन थे, जिनमें दिव्य यज्ञ और तपस्याएं होती थीं।

पुराणों में वर्णन आता है कि आदि ब्रह्मा जी ने इसी द्वैतवन में एक भव्य यज्ञ किया था, जिसमें समस्त देवता, ऋषि और मुनि सम्मिलित हुए थे। उस यज्ञ के लिए ब्रह्मा ने तीन हवनकुण्ड बनवाए — प्लक्ष कुंड, सोम सरोवर और ऋण मोचन। किंतु यज्ञ के मध्य जब कलियुग का सूक्ष्म प्रभाव उस स्थल पर पड़ा, तो ब्रह्मा के मन में सरस्वती देवी के प्रति तामसिक विचार उत्पन्न हुए। देवी सरस्वती ने शंकर भगवान से शरण मांगी। तब भगवान शंकर ने क्रोध में आकर ब्रह्मा का एक सिर काट दिया। यही वह क्षण था जब स्वयं महादेव पर ब्रह्म हत्या का दोष लग गया।

भगवान शंकर ने इस दोष से मुक्ति पाने के लिए अनेकों तीर्थों में स्नान किया, दान किए, तप किया, परंतु ब्रह्मा के उस कटे सिर का चिन्ह उनके हाथ से अलग नहीं हुआ। वे देवी पार्वती के साथ तीर्थ-तीर्थ घूमते रहे। अंततः वे सोमसर सरोवर के निकट पहुंचे और वहीं एक ब्राह्मण देव शर्मा के घर विश्राम किया। भगवान समाधि में लीन हो गए, परंतु माता पार्वती को उनके ऊपर लगे ब्रह्म हत्या दोष के कारण नींद नहीं आ रही थी।

रात्रि के सन्नाटे में उन्होंने सुना कि एक गाय और उसका बछड़ा आपस में बात कर रहे हैं। बछड़ा अपनी माता से कहता है, "हे माता, कल सुबह यह ब्राह्मण मुझे बधिया करेगा, तब मैं उसकी हत्या कर दूंगा।" गाय ने कहा, "बेटा, ऐसा करने से तुझे ब्रह्म हत्या का दोष लगेगा।" बछड़े ने उत्तर दिया, "माता, मुझे उस दोष से मुक्त होने का उपाय आता है।" माता पार्वती यह संवाद सुनकर अचंभित हो गईं।

सुबह जब ब्राह्मण ने बछड़े को बधिया करने का प्रयास किया, तो बछड़े ने क्रोध में उसकी हत्या कर दी। उसी क्षण बछड़े और गाय का रंग काला हो गया। बछड़े ने माता से कहा, "माता, अब मेरे पीछे-पीछे चलो।" दोनों ने पश्चिम दिशा से सोमसर सरोवर में प्रवेश किया और पूर्व दिशा से बाहर निकले। जैसे ही वे बाहर आए, उनका रंग फिर से श्वेत हो गया — केवल पांवों में कीचड़ और सींगों पर जल का प्रभाव रहने से वे काले ही रहे। यह दृश्य माता पार्वती और भगवान शंकर ने देखा। माता ने कहा, "स्वामी, जिस सरोवर में एक बछड़े ने ब्रह्म हत्या का दोष धो डाला, वहां स्नान करने से आपका दोष भी अवश्य दूर हो जाएगा।"

भगवान शंकर ने उस सरोवर में स्नान किया, और तत्काल उनके हाथ से ब्रह्मा के सिर का चिन्ह लुप्त हो गया। वह दोष उसी क्षण समाप्त हो गया। तब भगवान शंकर ने गाय और बछड़े के दर्शन किए और उन्हें वरदान दिया कि जो कोई भी इस सरोवर में स्नान करेगा, वह भी अपने पापों से मुक्त हो जाएगा। आज भी सोमसर सरोवर के पश्चिमी तट पर राम आश्रम घाट के समीप गाय और बछड़े की काले रंग की प्रतिमाएं हैं, और पूर्वी तट पर उनके श्वेत रूप के दर्शन मिलते हैं। यह वही स्थल है जिसे आज कपाल मोचन कहा जाता है — क्योंकि यहां भगवान शंकर ने कपाली दोष से मुक्ति पाई थी। कालांतर में यही तीर्थ त्रेता युग और द्वापर युग दोनों में पुनः पवित्र हुआ। त्रेता युग में जब भगवान श्रीरामचंद्र ने रावण का वध किया, जो कि अत्यंत ज्ञानी ब्राह्मण था, तब उन्हें भी ब्रह्म हत्या का दोष लगा। श्रीराम ने इसी कपाल मोचन तीर्थ में स्नान कर उस दोष से मुक्ति प्राप्त की।

द्वापर युग में जब महाभारत का विनाशकारी युद्ध समाप्त हुआ, तब भगवान श्रीकृष्ण, बलराम और पांडवों ने भी यही तीर्थ स्थल चुना। उन्होंने कपाल मोचन और ऋण मोचन सरोवरों में स्नान किया, ताकि पांडवों को पितृ ऋण और युद्धजन्य पापों से मुक्ति मिल सके।

यहां तक कि इंद्रदेव को भी एक बार ब्रह्म हत्या का दोष लगा था, जब उन्होंने गार्गी गोत्र के दो तपस्वी ब्राह्मणों की हत्या की थी। गुरु बृहस्पति के परामर्श से इंद्रदेव ने इसी तीर्थ में स्नान किया और उन्हें भी मुक्ति प्राप्त हुई।

स्कन्द पुराण में इस स्थल की महिमा का विस्तृत वर्णन मिलता है। इसमें कहा गया है कि कपाल मोचन न केवल ब्रह्म हत्या नाशक है, बल्कि यह धन, संतान और मनोवांछित फलों की प्राप्ति कराने वाला परम पवित्र तीर्थ है।

इतिहास के पन्नों में आगे चलकर यह तीर्थ सिख धर्म से भी जुड़ा। भंगानी युद्ध के बाद दशम गुरु श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी यहां पधारे और उन्होंने 52 दिन तक कपाल मोचन में निवास किया। उन्होंने ऋण मोचन और कपाल मोचन दोनों सरोवरों में स्नान किया तथा अपने अस्त्र-शस्त्रों को भी इस पवित्र जल में धोया। उन्होंने यहां के महन्त को हस्तलिखित पट्टा और ताम्रपत्र प्रदान किया, जो आज भी तीर्थस्थल पर संरक्षित है। कपाल मोचन के तीर्थ क्षेत्र में आज भी वे दिव्य सरोवर, प्राचीन मंदिर, और गुरुद्वारा इस बात के साक्षी हैं कि यह भूमि केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि वह स्थान है जहां देवता, अवतार और मनुष्य— सबने पाप, दोष और ऋण से मुक्ति पाई। यहीं वह शाश्वत सत्य प्रत्यक्ष होता है कि ईश्वर की कृपा और श्रद्धा का संगम जिस भूमि पर होता है, वह साधारण नहीं रहती — वह मोक्षभूमि बन जाती है।

इस प्रकार कपाल मोचन न केवल हरियाणा का, बल्कि समस्त भारतवर्ष का एक ऐसा दिव्य स्थल है जहां स्नान, दान और ध्यान से व्यक्ति अपने समस्त पापों से मुक्त होकर परम शांति और ईश्वर की निकटता प्राप्त कर सकता है।

RNI No. GJHIN/25/A2786 Printed, Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004 (2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset, Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002. (3) HADIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset, Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002 and Published from B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424. Editor : JIGNESHKUMAR PATHABHAI VAGHELA

मुंबई में केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के करकमलों से 'इंडिया मैरीटाइम वीक 2025' का शुभारंभ

- मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात की सामुद्रिक विरासत तथा वर्तमान वैश्विक विकास की प्रभावी प्रस्तुति की
- भारत सरकार के बंदरगाह, जहाजरानी एवं जल मार्ग मंत्रालय द्वारा 27 से 31 अक्टूबर तक 'इंडिया मैरीटाइम वीक 2025' का आयोजन
- गुजरात के अलावा महाराष्ट्र, गोवा एवं ओडिशा के मुख्यमंत्रियों की भी प्रेरक उपस्थिति
- प्रधानमंत्री के दिशादर्शन में गुजरात ने 'समुद्र से समृद्धि' का मार्ग अपना कर राज्य के बंदरगाहों को समृद्धि का द्वार बनाया है : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

-: मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- गुजरात में चिप एवं शिप बनाने का इकोसिस्टम विकसित हुआ है, जो प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को बल देगा
- सामुद्रिक विरासत की पिछले दो दशकों की यात्रा ने गुजरात को विश्वभर के देशों के लिए मैरीटाइम गेटवे ऑफ द नेशन बना दिया है
- राज्य में मैरीटाइम इनोवेशन, स्किल डेवलपमेंट तथा मैरीटाइम सेक्टर के समग्र इकोसिस्टम को सुदृढ़ किया जा रहा है
- देश के कुल कारगो ट्रैफिक का 40 प्रतिशत से अधिक संचालन गुजरात के बंदरगाहों पर से होता है
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए मैरीटाइम अमृतकाल विजन 2047 को साकार करने के लिए 2047 तक गुजरात के मेजर व नॉन-मेजर पोर्ट्स की क्षमता बढ़ाकर 3 हजार एमएमटीपीए करने का लक्ष्य

(जीएनएस)। गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को मुंबई में 'इंडिया मैरीटाइम वीक 2025' के उद्घाटन अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में गुजरात ने 'समुद्र से समृद्धि' का मार्ग अपनाया है और राज्य के बंदरगाहों को समृद्धि का द्वार बनाया है।

भारत सरकार के बंदरगाह, जहाजरानी एवं जल मार्ग मंत्रालय द्वारा बॉम्बे एग्जीबिशन सेंटर में 27 से 31 अक्टूबर के दौरान आयोजित 'इंडिया मैरीटाइम वीक 2025' के उद्घाटन सत्र में श्री पटेल ने राज्य के मैरीटाइम सेक्टर के विकास की प्रभावी प्रस्तुति की।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के करकमलों से मुंबई में इस द्विवार्षिक मेगा इवेंट का शुभारंभ केन्द्रीय बंदरगाह, जहाजरानी एवं जल मार्ग मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल तथा महाराष्ट्र, गोवा व ओडिशा के मुख्यमंत्रियों की उपस्थिति में हुआ। इस अग्रणी वैश्विक मैरीटाइम इवेंट में 100 से अधिक देशों के मैरीटाइम इंडस्ट्री के लीडर्स, इनोवेटर्स, इन्वेस्टर्स तथा स्टेकहोल्डर्स एक मंच पर सहभागी हुए।

मुख्यमंत्री ने इस समिट के उद्घाटन सत्र में गुजरात की सामुद्रिक विरासत तथा वर्तमान वैश्विक विकास की गाथा प्रस्तुत करते हुए कहा कि गुजरात में चिप तथा शिप; दोनों को विकसित करने का जो इकोसिस्टम स्थापित हुआ है, वह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को वेगवान बनाएगा।

उन्होंने कहा कि श्री नरेन्द्रभाई तथा श्री अमितभाई के मार्गदर्शन में गुजरात आज जब मैरीटाइम एक्सीलेंस का ग्लोबल लीडर बना है। जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब से यानी दो दशक पहले से गुजरात के समुद्री विकास की गौरवशाली यात्रा का प्रारंभ हुआ था। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात को 'समुद्र से समृद्धि' का विजन दिया, जिसके फलस्वरूप आज गुजरात विश्वभर के देशों के लिए मैरीटाइम गेटवे ऑफ द नेशन बन गया है।

श्री भूपेंद्र पटेल ने जोड़ा कि श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में गुजरात ने पोर्ट्स को सड़क मार्ग तथा रेल नेटवर्क से जोड़कर सुदृढ़ कनेक्टिविटी प्रदान की है तथा निजी क्षेत्र की भागीदारी को भी प्रोत्साहन दिया है। प्रधानमंत्री के विजन से आज गुजरात के बंदरगाह व्यापार के केन्द्रों के साथ-साथ रोजगार, उद्योग तथा विकास के जीवंत केन्द्र बने हैं।

मुख्यमंत्री ने राज्य के मैरीटाइम सेक्टर की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि गुजरात ने देश को पोर्ट लेड डेवलपमेंट का एक अनूठा व सफल मॉडल दिया है। आज गुजरात देश के कुल कारगो का 40 प्रतिशत से अधिक संचालन करता है।

उन्होंने जोड़ा कि देश के एलएनजी-एलपीजी क्षेत्र में भी गुजरात अग्रसर है। दहेज में स्थित एलएनजी टर्मिनल का देश के कुल एलएनजी-एलपीजी हैंडलिंग में 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। इसके अलावा; देश के कुल जहाज रिसाइकलिंग का 98 प्रतिशत गुजरात के अलंग शिप रिसाइकलिंग यार्ड में होता है।

उन्होंने कहा कि गुजरात की मैरीटाइम पहचान केवल मॉडर्न इन्फ्रास्ट्रक्चर तक सीमित न रहते हुए राज्य के प्राचीन विरासत, वैभव एवं गौरव का भी अभिन्न हिस्सा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया के सबसे पुराने डॉकयार्ड लोथल में प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स का निर्माण हो रहा है। यह प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री के विजन 'विकास भी, विरासत भी' का जीवंत उदाहरण है।

उन्होंने इस बात की भूमिका प्रस्तुत की कि प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए मैरीटाइम अमृतकाल विजन 2047 को साकार करने के लिए गुजरात के मेजर व नॉन-मेजर पोर्ट्स की क्षमता 2047 तक 3 हजार एमएमटीपीए करने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ब्लू इकोनॉमी के विजन को प्रोत्साहन देने संबंधी गुजरात के प्रयासों का वर्णन करते हुए श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री के इस विजन को साकार करने के लिए गुजरात अनेक ब्लू इकोनॉमी स्ट्रैटेजीस पर कार्य कर रहा है। इसके लिए मैरीटाइम इनोवेशन, स्किल डेवलपमेंट तथा मैरीटाइम सेक्टर के समग्र इकोसिस्टम को सुदृढ़ किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात ने कोस्टल कम्युनिटी डेवलपमेंट तथा फिशरीज से जुड़ी परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया है। इसी प्रकार; सागरमाला प्रोजेक्ट अंतर्गत पोर्ट मॉडर्नाइजेशन, कनेक्टिविटी तथा स्मार्ट इंडस्ट्रियल सिटी के प्रोजेक्ट्स पर भी तेज गति से कार्य हो रहा है।

उन्होंने राज्य के शिप रिसाइकलिंग उद्योग की विशेषता का वर्णन करते हुए कहा कि दुनिया के सबसे बड़े शिप रिसाइकलिंग यार्ड अलंग में स्थित इंस्टीट्यूट द्वारा 40 हजार से अधिक युवाओं का कौशल्यवर्धन भी किया गया है। इसके माध्यम से भविष्य में शिप रिसाइकलिंग सेक्टर में रोजगार तथा सुरक्षा प्रदान किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत को विश्व की टॉप फाइव शिप बिल्डिंग कंट्रीज में शामिल करने का लक्ष्य रखा है। इसके अनुरूप गुजरात वर्तमान शिप याड्र्स की कैपेसिटी बढ़ाकर कम्प्लीट सपोर्टिव पॉलिसी फ्रेमवर्क भी तैयार कर रहा है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री के विकसित तथा आत्मनिर्भर भारत विजन को साकार करने के लिए मैरीटाइम सेक्टर के इनक्लुजिव ग्रोथ पर बल दिया और मैरीटाइम अमृतकाल विजन 2047 की दिशा में सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडणवीस, गोवा के मुख्यमंत्री श्री प्रमोद सावंत, ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण मांझी, केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री शांतनु ठाकुर, महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री सर्वश्री एकनाथ शिंदे व अजित पवार तथा अन्य महानुभाव उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल अहमदाबाद में छठ पूजा महापर्व में शामिल हुए

छठ पूजा एकमात्र महापर्व है, जिसमें अस्ताचलगामी सूर्य की पूजा की जाती है : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- गुजरात और बिहार का नाता आदिकाल से विशेष रहा है
- बिहार बुद्ध की भूमि है, तो गुजरात में बौद्ध विरासत का संरक्षण हुआ है
- प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार छठ पूजा को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की सूची में शामिल करने के लिए प्रयासरत है

(जीएनएस)। गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल सोमवार को अहमदाबाद में छठ महापर्व पूजा उत्सव में शामिल हुए। उन्होंने सभी लोगों को दीपोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भव्य-दिव्य राम मंदिर के निर्माण के बाद दिवाली का आनंद और रौनक कई गुना बढ़ गई है। प्रधानमंत्री ने 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का मंत्र दिया है, जो हमारे त्योहारों को भी साकार करता है।

मुख्यमंत्री ने छठ पूजा के आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि गुजरात में दीपावली के त्योहार पूरे होने के बाद लोग लाभ पंचमी से अपना कामकाज शुरू करते हैं, जबकि बिहार, झारखंड और पूर्वांचल में सूर्य उपासना के छठ महापर्व की शुरुआत होती है।

उन्होंने कहा कि बिहार में छठ महापर्व के साथ-साथ लोकतंत्र के महापर्व के उत्सव का उत्साह है। छठ पूजा को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में लोग उदयाचल सूर्य की पूजा करते हैं, लेकिन छठ पूजा एकमात्र ऐसा महापर्व है, जिसमें अस्ताचलगामी सूर्य की पूजा की जाती है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि गुजरात और बिहार का नाता आदिकाल से विशेष रहा है। बिहार बुद्ध की भूमि है, तो गुजरात में बौद्ध विरासत का संरक्षण हुआ है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जन्म स्थल वडनगर भी कभी बौद्ध शिक्षा का एक बड़ा केंद्र था। श्री मोदी जी के मार्गदर्शन में वडनगर में बौद्ध म्यूजियम का विकास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि गुजरात के सपूत महात्मा गांधी जी ने स्वतंत्रता का पहला आंदोलन बिहार के चंपारण से शुरू किया था और गुजरात के दांडी से नमक सत्याग्रह के जरिए ब्रिटिश सल्तनत के खिलाफ अहिंसक आंदोलन की शुरुआत की थी। बिहारी सहित अनेक लोगों ने गुजरात को अपनी कर्मभूमि बनाया है।

उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए दिए गए संकल्प को पूरा करने के लिए सभी देशवासियों से एकजुट होकर आगे बढ़ने का अनुरोध किया और छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए हम सभी स्वदेशी अपनाकर और स्वदेशी वस्तुएं खरीदकर प्रोत्साहन दें।

इस छठ पूजा का आयोजन छठ महापर्व समन्वय ट्रस्ट, हिंदी भाषी महासंघ और मां जानकी सेवा समिति के तत्वावधान में किया गया था। अहमदाबाद में बसे बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के परिवार इस छठ पूजा उत्सव में हर्षोल्लास के साथ शामिल हुए।

छठ महापर्व आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. महादेव झा ने स्वागत भाषण में सभी का स्वागत करते हुए छठ पूजा उत्सव के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रयासों से छठ महापर्व अब बिहार तक ही सीमित नहीं रह गया है, बल्कि आज यह महापर्व पूरे देश का महापर्व बन गया है। इस अवसर पर राज्य मंत्री श्रीमती दर्शनाबेन वाघेला, विधायक डॉ. पायलबेन कुकराणी, उप महापौर श्री जतिनभाई पटेल, मनपा स्थाई समिति के अध्यक्ष श्री देवांगभाई दाणी, अपर मुख्य सचिव श्री एम.के. दास और श्री एस.जे. हैदर, पूर्व मंत्री श्री आई.के. जाडेजा, श्री गोरधनभाई झड़फिया, श्री प्रदीप परमार और बिहार सहित अन्य राज्यों के परिवार बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सोना वायदा 2020 रुपये और चांदी वायदा 3049 रुपये लुढ़का: क्रूड ऑयल वायदा में 9 रुपये का सुधार

कमोडिटी वायदाओं में 36930.83 करोड़ रुपये और कमोडिटी ऑप्शंस में 300669.68 करोड़ रुपये का दर्ज हुआ टर्नओवर: सोना-चांदी के वायदाओं में 31011.47 करोड़ रुपये का हुआ कारोबार: बुलियन इंडेक्स बुलडेक्स फ्यूचर्स 28518 पॉइंट के स्तर पर

(जीएनएस)। मुंबई: देश के अग्रणी कमोडिटी डेरिवेटिव्स एक्सचेंज एमसीएक्स पर कमोडिटी वायदा, ऑप्शंस, इंडेक्स फ्यूचर्स और ऑप्शंस में 337618.96 करोड़ रुपये का टर्नओवर दर्ज हुआ। कमोडिटी वायदाओं में 36930.83 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ, जबकि कमोडिटी ऑप्शंस में 300669.68 करोड़ रुपये का नॉशनल टर्नओवर हुआ। बुलियन इंडेक्स बुलडेक्स का अक्टूबर वायदा 28518 पॉइंट के स्तर पर कारोबार हो रहा था। कमोडिटी ऑप्शंस में कुल प्रीमियम टर्नओवर 2665.58 करोड़ रुपये का हुआ।

कीमती धातुओं में सोना-चांदी के वायदाओं में 31011.47 करोड़ रुपये की खरीद बेच की गई। एमसीएक्स सोना दिसंबर वायदा सत्र के आरंभ में 122500 रुपये के भाव पर खूलकर, 122890 रुपये के दिन के उच्च और 121268 रुपये के नीचले स्तर को छूकर, 123451 रुपये के पिछले बंद के सामने 2020 रुपये या 1.64 फीसदी लुढ़ककर 121431 रुपये प्रति 10 ग्राम बोला गया। गोल्ड-गिनी अक्टूबर वायदा 1079 रुपये या 1.09 फीसदी गिरकर 97506 रुपये प्रति 8 ग्राम हुआ। गोल्ड-पेटल अक्टूबर वायदा 151 रुपये या 1.22 फीसदी गिरकर 12195 रुपये प्रति 1 ग्राम हुआ। सोना-मिनी नवंबर वायदा सत्र के आरंभ में 121759 रुपये के भाव पर खूलकर, 121899 रुपये के दिन के उच्च और 120397 रुपये के नीचले स्तर को छूकर, 1976 रुपये या 1.61 फीसदी गिरकर 120573 रुपये प्रति 10 ग्राम हुआ। गोल्ड-टेन अक्टूबर वायदा प्रति 10 ग्राम सत्र के आरंभ में 121678 रुपये के भाव पर खूलकर, 122338 रुपये के दिन के उच्च और 120531 रुपये के नीचले स्तर को छूकर, 122774 रुपये के पिछले बंद के सामने 1978 रुपये या 1.61 फीसदी गिरकर 120796 रुपये प्रति 10 ग्राम हुआ।

चांदी के वायदाओं में चांदी दिसंबर वायदा 142910 रुपये पर खूलकर, ऊपर में 147479 रुपये और नीचे में 142910 रुपये पर पहुंचकर, 147470 रुपये के पिछले बंद के सामने 3049 रुपये या 2.07 फीसदी औंधकर 144421 रुपये प्रति किलो पर आ गया। इनके अलावा चांदी-मिनी नवंबर वायदा 2844 रुपये या 1.9 फीसदी घटकर 146622 रुपये प्रति किलो के भाव पर ट्रेड हो रहा था। जबकि चांदी-माइक्रो नवंबर वायदा 2829 रुपये या 1.89 फीसदी घटकर 146751 रुपये प्रति किलो के भाव पर ट्रेड हो रहा था।

मेटल वर्ग में 2342.70 करोड़ रुपये के ट्रेड दर्ज हुए। तांबा अक्टूबर वायदा 8.3 रुपये या 0.83 फीसदी की तेजी के संग 1002.9 रुपये प्रति किलो हुआ। जबकि जस्ता अक्टूबर वायदा 3.35 रुपये या 1.12 फीसदी की तेजी के संग 303 रुपये प्रति किलो के भाव पर पहुंचा। इसके सामने एल्यूमीनियम अक्टूबर वायदा 1.1 रुपये या 0.41 फीसदी तेज होकर यह कॉन्ट्रैक्ट 266.6 रुपये प्रति किलो पर आ गया। जबकि सीसा अक्टूबर वायदा 80 पैसे या 0.45 फीसदी चढ़कर 179.75 रुपये प्रति किलो हुआ।

इन जिंसों के अलावा कारोबारियों ने एनर्जी सेगमेंट में 3374.85 करोड़ रुपये के सौदे किए। एमसीएक्स क्रूड ऑयल नवंबर वायदा सत्र के आरंभ में 5454 रुपये के भाव पर खूलकर, 5472 रुपये के दिन के उच्च और 5368 रुपये के नीचले स्तर को छूकर, 9 रुपये या 0.17 फीसदी की तेजी के संग 5436 रुपये प्रति बैरल हुआ। जबकि क्रूड ऑयल-मिनी नवंबर वायदा 6 रुपये या 0.11 फीसदी की तेजी के संग 5435 रुपये प्रति बैरल के भाव पर पहुंचा। इनके अलावा नैचुरल गैस अक्टूबर वायदा 287.5 रुपये पर खूलकर, ऊपर में 298.8 रुपये और नीचे में 284.3 रुपये पर पहुंचकर, 282.2 रुपये के पिछले बंद के सामने 7.7 रुपये या 2.73 फीसदी तेज होकर यह कॉन्ट्रैक्ट 289.9 रुपये प्रति एमएमबीटीयू पर आ गया। जबकि नैचुरल गैस-मिनी अक्टूबर वायदा 7.6 रुपये या 2.69 फीसदी तेज होकर यह कॉन्ट्रैक्ट 289.9 रुपये प्रति एमएमबीटीयू पर आ गया।

कृषि जिंसों में मेंथा ऑयल अक्टूबर वायदा 914 रुपये पर खूलकर, 2 रुपये या 0.22 फीसदी बढ़कर 919 रुपये प्रति किलो के भाव पर ट्रेड हो रहा था। कारोबार की दृष्टि से एमसीएक्स पर सोना के विभिन्न अनुबंधों में 19682.54 करोड़ रुपये और चांदी के विभिन्न अनुबंधों में 11328.93 करोड़ रुपये की खरीद बेच की गई। इसके अलावा तांबा के वायदाओं में 1680.63 करोड़ रुपये, एल्यूमीनियम और एल्यूमीनियम-मिनी के वायदाओं में 233.17 करोड़ रुपये, सीसा और सीसा-मिनी के वायदाओं में 32.42 करोड़ रुपये, जस्ता और जस्ता-मिनी के वायदाओं में 396.04 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ।

इन जिंसों के अलावा क्रूड ऑयल और क्रूड ऑयल-मिनी के वायदाओं में 783.10 करोड़ रुपये के ट्रेड दर्ज हुए। जबकि नैचुरल गैस और नैचुरल गैस-मिनी के वायदाओं में 2573.28 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। मेंथा ऑयल के वायदा में 9.75 करोड़ रुपये की खरीद बेच की गई। ओपन इंटरेस्ट सोना के वायदाओं में 15379 लोट, सोना-मिनी के वायदाओं में 63411 लोट, गोल्ड-गिनी के वायदाओं में 19427 लोट, गोल्ड-पेटल के वायदाओं में 289521 लोट और गोल्ड-टेन के वायदाओं में 28952 लोट के स्तर पर था। जबकि चांदी के वायदाओं में 27013 लोट, चांदी-मिनी के वायदाओं में 56367 लोट और चांदी-माइक्रो वायदाओं में 155191 लोट के स्तर पर था। क्रूड ऑयल के वायदाओं में 16787 लोट और नैचुरल गैस के वायदाओं में 24889 लोट के स्तर पर था।

इंडेक्स फ्यूचर्स में बुलडेक्स अक्टूबर वायदा 28830 पॉइंट पर खूलकर, 28830 के उच्च और 28441 के नीचले स्तर को छूकर, 312 पॉइंट घटकर 28518 पॉइंट के स्तर पर कारोबार हो रहा था।

कमोडिटी ऑप्शंस ऑन फ्यूचर्स में क्रूड ऑयल नवंबर 5400 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति बैरल 11.9 रुपये की गिरावट के साथ 207.1 रुपये हुआ। जबकि नैचुरल गैस नवंबर 350 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति एमएमबीटीयू 1.35 रुपये की बढ़त के साथ 22.75 रुपये हुआ।

सोना अक्टूबर 125000 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति 10 ग्राम 611.5 रुपये की गिरावट के साथ 495 रुपये हुआ। इसके सामने चांदी अक्टूबर 150000 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति किलो 756 रुपये की गिरावट के साथ 266 रुपये हुआ। तांबा नवंबर 1000 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति किलो 4.66 रुपये की बढ़त के साथ 32 रुपये हुआ। जस्ता नवंबर 300 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति किलो 1.82 रुपये की बढ़त के साथ 6 रुपये हुआ।

वडोदरा मंडल के 41 रेल कर्मचारियों को मिला डीआरएम अवार्ड

(जीएनएस)। पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने मंडल के 41 रेल कर्मियों को सुरक्षित ट्रेन परिचालन में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए सम्मानित किया। इन रेल कर्मियों को ड्यूटी के दौरान उनकी सजगता एवं सतर्कता के कारण अप्रिय घटनाओं को रोकने में उनके योगदान के लिए प्रमाण-पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

वडोदरा मंडल के जनसम्पर्क अधिकारी श्री अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मंडल रेल प्रबंधक श्री भडके ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारियों की सतर्कता की सराहना करते हुए कहा कि ये सभी कर्मचारी अपने कार्य के प्रति समर्पित रहकर दूसरों के लिए प्रेरणास्रोत बने हैं। इन कर्मचारियों ने संरक्षा के विविध क्षेत्रों जैसे कि वैगन में धुआ निकलते देखा, ब्रेक बाइंडिंग, वैगन का बोल्स्टर स्प्रिंग टूटी अवस्था में तुरंत अपने अधिकारियो को बताना, ट्रैक के पास लगी आग को बुझाना, मानव जीवन की रक्षा करना आदि में सक्रिय योगदान देकर ट्रेनों का सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने में अपना अदम्य उत्साह और प्रतिबद्धता दिखाई।

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडलं को इन सभी कर्मचारियों पर गर्व है, जिन्होंने अपनी त्वरित कार्रवाई और सतर्कता से किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को समय रहते रोकने में सहायता की।

रेल मंत्रालय ने रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ द्वारा सत्यनिष्ठा शपथ दिलाकर सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 (27 अक्टूबर-2 नवंबर) की शुरुआत की

- सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 की थीम "सतर्कताः हमारी साझा जिम्मेदारी" शासन में नैतिक आचरण और पारदर्शिता पर बल देती है
- रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष ने सभी अधिकारियों से पारदर्शिता को सुदृढ़ करने और कदाचार की आशंका कम करने के जरिए ईमानदारी, दक्षता और सार्वजनिक सेवा के मूल्यों को बनाए रखने की अपील की
- रेलवे बोर्ड के सतर्कता निदेशालय ने सार्वजनिक सेवा में निवारक सतर्कता और नैतिकता को बढ़ावा देने के लिए संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, पोस्टर अभियानों और संवादमूलक सत्रों सहित सप्ताह भर के कार्यकलापों की योजना बनाई

(जीएनएस)। रेल मंत्रालय, केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की अगुवाई में आयोजित राष्ट्रव्यापी सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अनुरूप, रेलवे बोर्ड में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 मना रहा है। इस सप्ताह का उद्देश्य लोक प्रशासन में ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देना है।

इस कार्यक्रम की शुरुआत रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीआरबी) श्री सतीश कुमार द्वारा रेलवे बोर्ड के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाकर हुई। शपथ समारोह में मंत्रालय के विभिन्न निदेशालयों के वरिष्ठ अधिकारियों और पदाधिकारियों ने प्रत्यक्ष और वर्चुअल रुप से भाग लिया। यह समारोह 27 अक्टूबर, 2025 से 2 नवंबर, 2025 तक चलेगा।

केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा अधिसूचित सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 की विषय-वस्तु है, "सतर्कताः हमारी साझा ज़िम्मेदारी।" यह विषय-वस्तु नैतिक आचरण, शासन में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार मुक्त संगठन के निर्माण के लिए सामूहिक उत्तरदायित्व के महत्व पर बल देती है। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ ने अपने संबोधन में सुशासन को बढ़ावा देने में सतर्कता की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया और सभी अधिकारियों से ईमानदारी, दक्षता और जनसेवा के मूल्यों को बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने पारदर्शिता को सुदृढ़ करने और कदाचार की आशंका कम करने के लिए भारतीय रेलवे द्वारा किए गए विभिन्न डिजिटल और प्रणालीगत सुधारों को भी रेखांकित किया।

रेलवे बोर्ड के सतर्कता निदेशालय ने पूरे सप्ताह के दौरान कई कार्यकलापों की योजना बनाई है, जिनमें संगोष्ठियां, कार्यशालाएं, पोस्टर अभियान और संवादमूलक सत्र शामिल हैं। इनका उद्देश्य सार्वजनिक सेवा में निवारक सतर्कता और नैतिकता के बारे में जागरूकता का प्रसार करना है।

श्रीलंकाई नौसेना ने डूबते जहाज से नौ भारतीयों को बचाया, समुद्र में चला तीन घंटे लंबा रेस्क्यू अभियान

(जीएनएस)। कोलंबो। हिंद महासागर में सोमवार को एक बड़ा समुद्री हादसा टल गया जब श्रीलंकाई नौसेना ने सूझबूझ और तत्परता दिखाते हुए एक संकटग्रस्त वाणिज्यिक पोत 'इंटीग्रिटी स्टार' से 14 लोगों को सकुशल निकाल लिया। इन बचाए गए लोगों में नौ भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, यह पोत श्रीलंका के दक्षिण में लगभग 100 समुद्री मील दूर इंजन फेल होने के बाद नियंत्रण खो बैठा था।

नौसेना के प्रवक्ता कमांडर बुद्धिका संपत ने बताया कि पोत के चालक दल ने इंजन में आई गंभीर खराबी के बाद सहायता संदेश भेजा था। यह संदेश श्रीलंका के रक्षा मंत्रालय के पास पहुंचा, जिसके निर्देश पर तुरंत समुद्री बचाव समन्वय केंद्र ने 'समुद्रा' नामक नौसैनिक पोत को मौके पर रवाना किया। करीब तीन घंटे चले खोज और बचाव अभियान के बाद सभी 14 सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। जानकारी के अनुसार, समुद्र में लगातार बढ़ती लहरें और इंजन की विफलता के कारण इंटीग्रिटी स्टार गहरे संकट में फंस गया था। चालक दल के पास सीमित समय और साधन बचे थे। श्रीलंका की नौसेना के पहुंचने से पहले ही पास से गुजर रहे एक अन्य वाणिज्यिक पोत 'मॉर्निंग ग्लोरी' ने भी सहायता प्रदान की और रेस्क्यू मिशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी चालक दल के सदस्य, जिनमें नौ भारतीय, दो फिलीपीन और तीन श्रीलंकाई नागरिक शामिल हैं, को दक्षिणी श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह लाया गया। वहां उनका प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और सभी को सुरक्षित घोषित किया गया। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा को लेकर भारत और श्रीलंका के बीच सहयोग लगातार बढ़ रहा है। दोनों देशों की नौसेनाओं ने हाल ही में कई संयुक्त अभ्यास किए हैं ताकि समुद्री आपदाओं और संकटों के दौरान तेजी से कार्रवाई की जा सके। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह रेस्क्यू मिशन हिंद महासागर में सक्रिय समुद्री समन्वय तंत्र की सफलता का उदाहरण है। अगर नौसेना समय पर प्रतिक्रिया नहीं देती, तो यह हादसा गंभीर रूप ले सकता था। फिलहाल 'इंटीग्रिटी स्टार' को मरम्मत के लिए हंबनटोटा के डॉक यार्ड में खड़ा किया गया है, जहां तकनीकी दल इंजन की खराबी की जांच कर रहा है।

राज्यसभा चुनाव के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस में बगावत की आहट, सांसद आगा सैयद रुहुल्ला और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला आमने-सामने, कश्मीर की सियासत में उबाल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की सियासत में इन दिनों एक नया भूचाल उठा है। नेशनल कॉन्फ्रेंस, जिसने दशकों तक घाटी की राजनीति में अपना दबदबा कायम रखा था, अब अपने ही घर में दरारों से जूझती दिखाई दे रही है। राज्यसभा चुनाव के बाद पार्टी के भीतर उठी असहमति अब खुलकर सामने आ गई है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और पार्टी के सांसद आगा सैयद रुहुल्ला मेहदी के बीच विवाद इस कदर गहराता जा रहा है कि दोनों खेमों के समर्थक अब सड़कों पर उतर आए हैं। सोमवार रात को श्रीनगर और बडगाम में रुहुल्ला समर्थकों ने मुख्यमंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और चेतावनी दी कि आगा सैयद के सम्मान पर कोई आंच बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस विवाद की शुरुआत तब हुई जब सांसद आगा सैयद रुहुल्ला मेहदी ने पार्टी नेतृत्व पर जनता से दूरी बनाने और राज्य के अहम मुद्दों पर निष्क्रिय रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार जनभावनाओं के अनुरूप काम नहीं कर रही है और जम्मू-कश्मीर के वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटका रही है। यही नहीं, उन्होंने बडगाम उपचुनाव में भी खुद को प्रचार अभियान से अलग रखा, जिससे पार्टी के भीतर असंतोष और गहरा गया। वहीं मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मीडिया से बातचीत में इस दूरी को महत्वहीन बताते हुए कहा कि बडगाम में रुहुल्ला के प्रचार न करने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पार्टी में ऐसे कई जमीनी कार्यकर्ता हैं जो बिना किसी व्यक्ति विशेष पर निर्भर हुए जनता के बीच काम करने में सक्षम हैं। लेकिन मामला तब तूल पकड़ गया जब मुख्यमंत्री ने मियां अल्ताफ और आगा सैयद रुहुल्ला की तुलना पर सवाल उठाते हुए कहा कि "कहां मियां अल्ताफ और कहां आगा रुहुल्ला, यह आसमान और जमीन का फर्क है।" इस टिप्पणी ने रुहुल्ला समर्थकों को भड़काने का काम

किया। सोमवार रात को बडगाम, नौगाम और बांदीपोरा में उनके समर्थक सड़कों पर उतर आए और मुख्यमंत्री के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि "आगा सैयद के सम्मान पर हमला अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।" दूसरी ओर मुख्यमंत्री के समर्थक विधायक अब्दुल मजीद लारमी ने आगा सैयद को चुनौती दी कि अगर उन्हें लगता है कि सरकार ने कुछ नहीं किया, तो वे सांसद पद से इस्तीफा देकर फिर से जनता के बीच जाएं। उन्होंने कहा कि जब तक जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस नहीं मिलता, तब तक कोई भी बड़ी आर्थिक या राजनीतिक पहल करना असंभव है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, "जब आटा ही नहीं है, तो रोटी कौन बनाएगा।" इस तीखे राजनीतिक माहौल के बीच आगा सैयद रुहुल्ला ने भी पलटवार करने में देर नहीं की। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व को अपने अहम से ऊपर उठकर जनता की तकलीफों पर ध्यान देना चाहिए। "अगर यह लड़ाई व्यक्तिगत अहम की है, तो मैं भी तैयार हूं, लेकिन मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि कश्मीर का मुद्दा किसी व्यक्ति या पद से बड़ा है। सरकार राजनीतिक निष्क्रियता का शिकार है। आरक्षण पर यह चुप है, राजनीतिक कैदियों की कोई चर्चा नहीं, बेरोजगारी चरम पर है और हमारे धर्म-संस्कृति पर लगातार हमले हो रहे हैं," उन्होंने कहा।

उन्होंने यह भी कहा कि उनकी आलोचना को बगावत कहना गलत है। "मैंने बगावत नहीं की, जवाबदेही की मांग की है। जनता ने मुझे जो जनादेश दिया है, वही मेरी पहचान है," रुहुल्ला ने कहा।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, नेशनल कॉन्फ्रेंस के भीतर यह संघर्ष केवल व्यक्तिगत मतभेदों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आने वाले विधानसभा चुनावों से पहले शक्ति-संतुलन की लड़ाई भी है। रुहुल्ला शिया समुदाय में प्रभावशाली नेता हैं और बडगाम सहित श्रीनगर के कुछ हिस्सों में उनका अच्छा जनाधार है। ऐसे में अगर उनका असंतोष बढ़ता है, तो पार्टी के पारंपरिक वोट बैंक में दरार पड़ सकती है। राजनीतिक विश्लेषक इस घटनाक्रम को "नेशनल कॉन्फ्रेंस के भीतर नेतृत्व संकट" के रूप में देख रहे हैं।

त्योहारों के दौरान अब तक संचालित ट्रेनों में 1.5 करोड़ से ज़्यादा लोगों ने यात्रा की

▸▸ यात्रियों ने सकारात्मक अनुभव साझा किए और त्योहारों के दौरान आरामदायक और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रेलवे के प्रयासों की सराहना की

▸▸ त्योहारों के बाद लौटने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए बिहार और उससे सटे उत्तर प्रदेश के 30 स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया बनाए जा रहे हैं

(जीएनएस)। भारतीय रेल ने त्योहारों के दौरान अब तक 1.5 करोड़ से ज़्यादा यात्रियों को ट्रेनों के ज़रिए पहुँचाया है। त्योहारों के मौसम के अंत तक यह संख्या 2.5 करोड़ से अधिक होने की संभावना है। भीड़ प्रबंधन को सुचारू बनाने के लिए, बिहार और उत्तर प्रदेश के आस-पास के इलाकों के 30 प्रमुख स्टेशनों पर बड़े होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं।

हाल के वर्षों में, रेलवे के बुनियादी ढाँचे में महत्वपूर्ण निवेश से उल्लेखनीय प्रगति हुई है। विशेष ट्रेनों की संख्या पहले केवल कुछ सौ थी, जो अब रिकॉर्ड तोड़ संख्या तक पहुँच गई है। ट्रैक निर्माण में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो एक दशक पहले मात्र 400-600 किमी प्रति वर्ष से बढ़कर आज 4,000 किमी प्रति वर्ष हो गई है।

त्योहारों के दौरान लोगों की सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रेल के प्रयास

रेलवे कर्मचारी यात्रियों की सहायता और व्यवस्था बनाए रखने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं ताकि त्योहारों के दौरान सभी सुरक्षित घर पहुँच सकें।

छठ पूजा के मद्देनजर, रेलवे ने व्यस्ततम यात्रा अवधि को संभालने के लिए व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ किया है।

बिहार के रेलवे स्टेशन त्योहारों की भीड़ को देखते हुए यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए होल्डिंग एरिया, अतिरिक्त टिकट काउंटर, सीसीटीवी निगरानी और अन्य सुविधाओं की तैयारी कर रहे हैं।

पटना रेलवे स्टेशन पर, त्योहारों के मौसम में यात्रियों की सुविधा के लिए समर्पित होल्डिंग एरिया स्थापित किया गया है। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, सीसीटीवी निगरानी के माध्यम से चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है।

भारतीय रेल ने यात्रियों की सुविधा के लिए दानापुर रेलवे स्टेशन पर समर्पित होल्डिंग एरिया भी स्थापित किया है, जिसमें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

भारतीय रेल छठ पूजा के दौरान यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रही है। दानापुर रेलवे स्टेशन पर किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एम्बुलेंस और मेडिकल टीमें 24×7 तैयार रखी गई हैं।

पटना के राजेंद्र नगर टर्मिनल रेलवे स्टेशन पर, समर्पित रेल कर्मचारियों ने जरूरतमंद यात्रियों की सहायता की और छठ पर्व के दौरान उनकी सुरक्षित, आरामदायक और सुखद यात्रा सुनिश्चित की। यात्रियों ने भारतीय रेल के साथ यात्रा के सकारात्मक अनुभव साझा किए

यात्रियों ने इस त्योहारी सीज़न में सुगम यात्रा अनुभव की सराहना की है, जिसमें आसान बुकिंग, साफ़-सुथरे कोच और सुव्यवस्थित स्टेशन शामिल हैं।

छठ पर्व के दौरान, नई दिल्ली और पटना के बीच विशेष वंदे भारत एक्सप्रेस चल रही है। अपनी तरह की इस अनूठी पहल में, भारतीय रेल ने आज छठ के लिए घर जाने वाले यात्रियों के उत्साह को बढ़ाते हुए कई पारंपरिक छठ गीत बजाए। पूरे भारत में, वर्तमान में 156 वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाएँ चल रही हैं, जिनमें पटना और नई दिल्ली के बीच यह विशेष ट्रेन नियमित सेवाओं के अलावा चल रही है। बिहार के जमालपुर रेलवे स्टेशन पर एक यात्री ने बताया कि विशेष ट्रेनों की संख्या बढ़ने के कारण ट्रेन में भीड़ नहीं थी। उसी स्टेशन पर एक अन्य यात्री ने बताया कि साफ़-सफ़ाई सहित सभी सुविधाएँ अच्छी तरह से रखी गई थीं और उन्हें यात्रा के दौरान किसी भी असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा।

एक यात्री ने स्वच्छता बनाए रखने के लिए भारतीय रेलवे को धन्यवाद दिया। उस यात्री ने स्टेशन पर छठ से संबंधित गीत बजाने की पहल की सराहना की, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि इससे आध्यात्मिक और उत्सव का वातावरण बन रहा है। यात्रियों ने त्योहारों के दौरान बेहतर यात्रा व्यवस्था के लिए भारतीय रेलवे की सराहना की। एक महिला यात्री ने बताया कि उसके परिवार को कन्फर्म टिकट मिले और उन्हें कोई समस्या नहीं हुई, और उन्होंने दिल्ली स्टेशनों पर बेहतर प्रबंधन की सराहना की। अन्य यात्रियों ने समय पर ट्रेनों के आने, साफ़-सुथरे डिब्बों और शौचालयों, अच्छे भोजन और बिस्तर, और कुल मिलाकर सुगम और आरामदायक यात्रा का ज़िक्र किया।

मंडल कार्यालय एवं भावनगर टर्मिनस कार्यशाला (C&W) में महिला कर्मचारियों के लिए सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन की स्थापना

(जीएनएस)। महिला रेल कर्मचारियों के स्वास्थ्य, स्वच्छता और सुविधा को प्राथमिकता देते हुए, भावनगर मंडल में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में कर्मचारी हित निधि (Staff Benefit Fund) के सौजन्य से मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा के मार्गदर्शन में मंडल कार्यालय, भावनगर परा के महिला कक्ष और भावनगर टर्मिनस कार्यशाला (C&W) में सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन की स्थापना की गई है। यह पहल महिला कर्मचारियों के कार्यस्थल पर स्वच्छता सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में मंडल प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

दिनांक 20 अक्टूबर, 2025 को मंडल कार्यालय, भावनगर परा के महिला कक्ष में इस मशीन का शुभारंभ एवं अर्पण अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री हुबलाल जगन, स्थानीय कर्मचारी हित निधि के सदस्य श्री एस. के. श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष कर्मचारी उपस्थित रहे। भावनगर टर्मिनस कार्यशाला (C&W) में सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन की स्थापना का शुभारंभ एवं अर्पण दिनांक 26 अक्टूबर, 2025 को वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री हुबलाल जगन द्वारा किया गया। इस अवसर पर सहायक मंडल यांत्रिक अभियंता श्री विजय भट्ट, सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी श्री संतोष कुमार वर्मा, स्थानीय कर्मचारी हित निधि के सदस्य श्री एस. के. श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी महोदय ने महिला सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करते हुए वरिष्ठतम महिला कर्मचारी के माध्यम से रिबन कटवाया। इस gesture के माध्यम से उन्होंने महिलाओं के प्रति सम्मान, समान अवसर और कार्यस्थल पर उनकी गरिमा को प्राथमिकता देने का संदेश दिया। सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन की स्थापना न केवल महिला कर्मचारियों को आवश्यक सुविधा प्रदान करेगी, बल्कि यह उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक बनने के लिए भी प्रेरित करेगी। ऐसी मशीनों की उपलब्धता से कार्यस्थल पर स्वच्छता और आराम की भावना बढ़ेगी, जिससे कार्य निष्पादन में भी सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा।

कार्यशाला के पर्यवेक्षकगणों और कर्मचारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम महिला सहयोगियों की जरूरतों को समझते हुए उठाया गया है। उपस्थित महिला कर्मचारियों ने स्थानीय कर्मचारी हित निधि एवं मंडल प्रशासन के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और इस पहल को "महिला स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण" की दिशा में एक प्रगतिशील प्रयास बताया। भावनगर मंडल प्रशासन का यह कदम रेलवे परिवार में महिला कर्मचारियों के कल्याण के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण और आधुनिक सोच का प्रतीक है।

भावनगर रेलवे मंडल पर सत्यनिष्ठा की शपथ के साथ 'सर्तकता जागरूकता सप्ताह' का शुभारंभ

(जीएनएस)। पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल पर दिनांक 27 अक्टूबर, 2025 को "सर्तकताः हमारी साझा जिम्मेदारी" (Vigilance: Our Shared Responsibility) थीम के साथ सर्तकता जागरूकता सप्ताह की शुरुआत की गई। यह सप्ताह 27 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2025 तक मनाया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों एवं रेल कर्मचारियों में सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और पारदर्शिता के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री हुबलाल जगन ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। उन्होंने उपस्थित सभी को अपने कार्यों में निष्ठा, पारदर्शिता और कानून के नियमों के पालन का संकल्प दिलाया।

इस अवसर पर मंडल कार्यालय के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सप्ताह भर चलने वाले इस अभियान के अंतर्गत विविध जन-जागरूकता कार्यक्रम, निबंध प्रतियोगिता, व्याख्यान, संगोष्ठी एवं डिजिटल माध्यम से सतर्कता के संदेशों का प्रसार किया जाएगा।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक नागरिक एवं कर्मचारी में यह भावना जागृत करना है कि सर्तकता केवल एक विभाग की नहीं, बल्कि हम सभी की साझा जिम्मेदारी है।

लौह पुरुष सरदार साहेब की 150वीं जयंती एकता नगर स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में शानदार ढंग से मनाई जाएगी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए मंत्र 'राज्य अनेक-राष्ट्र एक, समाज अनेक-भारत एक, भाषा अनेक भाव एक, रंग अनेक-तिरंगा एक' को 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना के साथ साकार किया जाएगा

▸▸ दिल्ली में आयोजित होने वाली गणतंत्र दिवस परेड की तर्ज पर एकता नगर में होगी भव्य परेड

▸▸ विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक विरासत को उजागर करते कार्यक्रमों का आयोजन

▸▸ 'एकत्व' थीम पर आधारित 10 झांकियों की प्रस्तुति, जो राज्यों की उपलब्धियां दर्शाएंगी

▸▸ भारत पर्व के अंतर्गत 1 से 15 नवंबर तक, एक साथ, एक ही स्थान पर अनेकता में एकता को चरितार्थ करती सांस्कृतिक झलक देखने को मिलेगी

▸▸ 15 नवंबर तक चलने वाले एकता प्रकाश पर्व में एकता नगर में खूबसूरत रोशनी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को देखने का मौका

▸▸ आदिवासियों के भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर 15 नवंबर को एसओयू में भव्य कार्यक्रम का आयोजन

▸▸ 17 नवंबर को साइक्लोथॉन प्रतियोगिता में देश भर के 5000 प्रतिस्पर्धी हिस्सा लेंगे

▸▸ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रीय एकता दिवस के शानदार समारोह में देंगे मार्गदर्शन

▸▸ केंद्र और राज्य सरकार द्वारा तैयारियों को दिया गया अंतिम रूप

(जीएनएस)। गांधीनगर : अखंड भारत के शिल्पी लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती 31 अक्टूबर को एकता नगर-स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को उजागर करते हुए मनाई जाएगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से देश भर में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

उल्लेखनीय है कि सरदार साहब की दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' में प्रति वर्ष प्रधानमंत्री की प्रेरक उपस्थिति में राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

इस वर्ष सरदार साहब की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस के शानदार और अनूठे समारोह मं अनेक प्रकार के आयोजन किए गए हैं।

नई दिल्ली में प्रति वर्ष 26 जनवरी को आयोजित होने वाली गणतंत्र दिवस परेड की तर्ज पर इस वर्ष 31 अक्टूबर को एकता नगर में मूविंग परेड आयोजित की जाएगी।

मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी और पुलिस महानिदेशक श्री विकास सहाय ने इस भव्य समारोह की समग्र कार्य योजना की विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस की इस परेड में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), जम्मू और कश्मीर, पंजाब, असम, त्रिपुरा, ओडिशा, छत्तीसगढ़, केरल, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) सहित कुल 16 टुकड़ियां हिस्सा लेंगी।

इतना ही नहीं, इस परेड में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अद्वितीय साहस का प्रदर्शन करने वाले बीएसएफ के 16 वीरता पदक विजेता और सीआरपीएफ के पांच शौर्य चक्र विजेता बहादुर जवान भी खुली जिप्सी में सवार होकर शामिल होंगे।

इस परेड का नेतृत्व विभिन्न रंग-बिरंगी वेशभूषा और अलग-अलग वाद्य यंत्रों से सुसज्जित हेराल्डिंग टीम के लगभग 100 सदस्य करेंगे।

एकता परेड में 9 बैंड दल भी शामिल होंगे, जो अपनी कर्णप्रिय धुनों के साथ लोगों को मंत्रमुग्ध करेंगे। इसके अलावा, राज्य स्तर पर विजेता गुजरात के दो स्कूल बैंड और राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित स्कूल बैंड प्रतियोगिता में विजेता दो स्कूल बैंड सहित कुल चार स्कूल बैंड द्वारा बैंड प्रदर्शन किया जाएगा।

मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लाल किले की प्राचीर से देशवासियों को दिया गया मंत्र 'राज्य अनेक-राष्ट्र एक, समाज अनेक-भारत एक, भाषा अनेक-भाव एक और रंग अनेक-तिरंगा एक' को चरितार्थ करने वाले कार्यक्रम इस एकता परेड और राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह को और भी गरिमामय बनाएंगे।

इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि इस अवसर पर केंद्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय की ओर से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में देश के विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक विरासत भी नजर आएगी।

उन्होंने बताया कि जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सरदार साहब की प्रतिमा की पद पूजा करने के बाद परेड और विभिन्न कार्यक्रमों उपस्थित रहने के लिए आएंगे, तब केंद्रीय सुरक्षा बलों और गुजरात पुलिस के दस्तों द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा और इसी के साथ पूरे कार्यक्रम का शानदार प्रारंभ होगा।

इस परेड में विभिन्न राज्यों और सीआरपीएफ द्वारा 'एकत्व' थीम पर आधारित 10 झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी, जो उनकी विशेषताओं और उपलब्धियों को प्रदर्शित करेंगी। ये झांकियां राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी), जम्मू कश्मीर, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, पुडुचेरी, महाराष्ट्र, गुजरात, मणिपुर, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड द्वारा प्रस्तुत की जाएंगी। इसके अलावा, भारतीय वायुसेना द्वारा 'ऑपरेशन सूर्यकिरण' के अंतर्गत फ्लाई पास्ट की प्रस्तुति दी जाएगी। साथ ही, सीआरपीएफ और गुजरात पुलिस की महिला कर्मचारियों द्वारा संयुक्त राइफल ड्रिल, एनएसजी द्वारा हेल मार्च, असम पुलिस द्वारा मोटरसाइकिल डेयरडेविल शो तथा बीएसएफ के भारतीय नस्ल का डॉग शो, सीआईएसएफ और आईटीबीपी की महिला कर्मियों द्वारा पारंपरिक मार्शल आर्ट, एसएसबी द्वारा बैंड प्रदर्शन और एनसीसी की टुकड़ी भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बनेगी।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष बैठक क्षमता को बढ़ाकर 11,500 से अधिक कर दिया गया है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस परेड को देख सकें। इसके अलावा, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस पोर्टल भी लॉन्च किया गया है, जिस पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के जरिए कोई भी व्यक्ति एकता परेड के कार्यक्रम में शामिल हो सकता है।

मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक ने कहा कि प्रति वर्ष राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में केंद्र सरकार के कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा एकता नगर में 'आरंभ' कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष इस कार्यक्रम में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) के लगभग 660 प्रशिक्षु हिस्सा लेंगे।

इस अवसर पर नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा द्वारा भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की पहल पर सरदार साहेब के जीवन-दर्शन को उजागर करने वाली 'लौह पुरुष' नामक नाट्य प्रस्तुति भी दी जाएगी।

श्री पंकज जोशी और श्री विकास सहाय ने कहा कि इस वर्ष राज्य सरकार द्वारा प्रकाश पर्व दिवाली, नूतन वर्ष और सरदार साहेब की जयंती के त्रिविध उत्सव पर आगंतुकों के लिए 17 अक्टूबर से 15 नवंबर के दौरान एकता नगर में प्रकाश पर्व के तहत प्रतिदिन शाम 7 से 11 बजे तक सुंदर और मनमोहक प्रकाश व्यवस्था और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन गया है। इसके लिए एकता नगर स्थित वैली ऑफ फ्लॉवर्स जाने वाली सड़क को 13 थीमों पर आधारित जोन में बांटा गया है और प्रत्येक जोन में सिलींग लाइट, रोड साइड इल्युमिनेशन आर्टिकल्स और फोटो-सेल्फी पॉइंट्स बनाए गए हैं।

लौह पुरुष सरदार पटेल ने एक और अखंड भारत का निर्माण किया है, जिसे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के मंत्र से और अधिक सुदृढ़ बनाया है। इस वर्ष सरदार साहब की 150वीं जयंती के वर्ष में एकता नगर में 1 से 15 नवंबर के दौरान भारत पर्व-2025 का भी भव्य आयोजन किया गया है। मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक ने इस आयोजन की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि इस पर्व में लोगों को 'अनेकता में एकता ही हमारी विशेषता' का भाव प्रदर्शित करने वाली संस्कृति की झलक एक ही स्थान पर देखने को मिलेगी।

उन्होंने कहा कि इन 15 दिनों के दौरान 45 फूड स्टॉल, 55 हस्तकला और हथकरघा स्टॉल, विभिन्न राज्यों के पवेलियन्स और 28 राज्यों एवं 8 केंद्रशासित प्रदेशों की सांस्कृतिक प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।

भारत पर्व-2025 के अंतर्गत 1 से 15 नवंबर के दौरान प्रतिदिन शाम देश के दो-दो राज्यों की सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी, जो उन राज्यों की परंपरागत कला एवं संस्कृति को उजागर करेगी।

आदिवासियों के भगवान बिरसा मुंडा जी की भी इस वर्ष 150वीं जयंती मनाई जा रही है। इस उपलक्ष्य में एकता नगर में बिरसा मुंडा जयंती पर विशेष प्रस्तुति का आयोजन किया गया है।

इसके साथ ही, विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पारंपरिक खानपान-व्यंजनों का आनंद उठाने के लिए 45 फूड स्टॉल और एक लाइव स्टूडियो किचन का भी आयोजन किया गया है।

मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक ने आगे कहा कि डेम व्यू पॉइंट-1 में होने वाले 15 दिवसीय कार्यक्रमों का समापन स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर साइक्लोथॉन इवेंट के साथ होगा। इसमें 16 नवंबर को भारत और गुजरात सरकार के विशेष महानुभावों के साथ साइकिलिंग फन राइड और 17 नवंबर को गुजरात सरकार के खेल विभाग के सहयोग से साइक्लोथॉन प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता में पूरे देश से लगभग 5 हजार साइकिल चालक हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरक उपस्थिति में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय एकता दिवस के कार्यक्रमों को अंतिम रूप दे दिया गया है और एकता नगर में आयोजित प्रकाश पर्व तो दीपावली के त्योहारों के दौरान लाखों लोगों के आकर्षण का केंद्र बन चुका है। मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस का यह गरिमामय कार्यक्रम जन-जन में राष्ट्रप्रेम को मजबूत बनाएगा और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से 'राष्ट्र प्रथम' के भाव को उजागर करने वाला अनूठा उत्सव बनेगा।